Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 236
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार,25 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

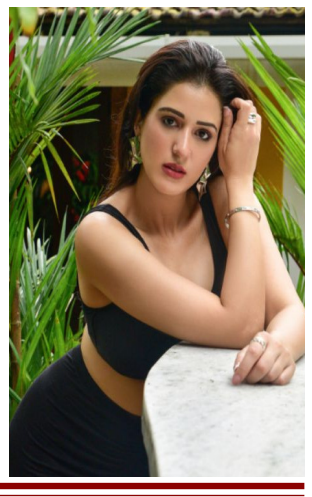

2 गैस संकट, 17 हजार लोगों ने की बुकिंग, 15 हजार

4 नवरात्रि व्रत में राजगिरा खाकर घटाएं वजन, थकान

7 जैस्मीन से तलाक के 6 साल बादशाह ने रचाई

मुख्यमंत्री ने निवेश मित्र 3.0 का किया शुभारंभ

यूपी बना सबसे सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश गंतव्य: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। दुनिया के कई हिस्सों में जारी अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता और अव्यवस्था के बीच भारत और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश आज निवेश व व्यापार के लिए एक सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद वातावरण के रूप में उभरकर सामने आया है। इसी विश्वास को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को निवेश मित्र 3.0 सिंगल विंडो सिस्टम के शुभारंभ अवसर पर कहा कि प्रदेश ने बीते 9 वर्षों में पारदर्शी नीतियों, सख्त कानून-व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग-अनुकूल माहौल के जरिए अपनी पहचान को पूरी तरह बदला है। आज उत्तर प्रदेश न केवल निवेशकों के लिए सुरक्षित गंतव्य बना है बल्कि उन्हें स्केलेबल बिजनेस के लिए अनुकूल इकोसिस्टम, विशाल उपभोक्ता बाजार, कुशल युवा मानव संसाधन और सीमलेस कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हो रही हैं। जो निवेशक पहले प्रदेश आने से हिचकते थे, आज वही यहां निवेश के लिए आगे आ रहे हैं और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के दौरान आयोजित कार्यक्रम में 45 कंपनियों को इंसेंटिव वितरण और 62 कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट प्रदान किए जाने को प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए बड़ा कदम बताया। इन प्रस्तावों के माध्यम से लगभग 50,000 करोड़ निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे 50 हजार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार एमओयू के बाद तेजी से ग्राउंडब्रेकिंग, निवेश से जुड़े छोटे-छोटे मुद्दों के त्वरित समाधान और उद्योगों के लिए बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्यमियों का विश्वास ही विकास की असली ताकत है और उस पर खरा उतरते हुए उत्तर प्रदेश को निवेश, रोजगार और औद्योगिक प्रगति का अग्रणी केंद्र बनाया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों का विश्वास ही प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है और इसी विश्वास को मजबूत करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश में मार्केट-रेडी और इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स उपलब्ध है, यहां बड़ी संख्या में कुशल और युवा मानव संसाधन मौजूद है। भारत का ही नहीं, दुनिया का सबसे अच्छा डेमोग्राफिक डिविडेंड यूपी के पास है। साथ ही यहां विशाल एवं मजबूत कंज्यूमर बेस भी उपलब्ध है, जो निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से आह्वान किया कि वे प्रदेश में खुलकर निवेश करें और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं, क्योंकि यहां स्केलेबल बिजनेस के लिए संभावनाएं और संसाधन उपलब्ध हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और मजबूत करते हुए धारा 80 के तहत लैंड यूज की जटिल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया गया है। अब मास्टर प्लान के तहत नक्शा पास होते ही लैंड यूज स्वतः स्वीकृत माना जाएगा और अलग से किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी। साथ ही निवेश मित्र 3.0 को लॉन्च कर 43 से अधिक विभागों की 530 सेवाओं को सरल बनाकर 200 से कम सेवाओं में समेकित किया गया है। इसमें पैन आधारित सिंगल यूजर आईडी, डायनेमिक सीएएफ, एआई चौटबॉट, रियल-टाइम ट्रैकिंग, ऑटोमेटेड अलर्ट और एंड-टू-एंड ऑनलाइन मॉनिटरिंग दी गई हैं।

सामूहिक कन्या पूजन में पहुंचे सीएम

बोले-बेटियों के प्रति हमारे समर्पण, भावनाओं को दशार्ता है पर्व

देहरादून (एजेंसी)। सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम में पहुंचे सीएम धामी ने कहा कि यह पर्व बेटियों के प्रति हमारे समर्पण, भावनाओं को दशार्ता है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून प्रेमनगर में आयोजित सामूहिक कन्या पूजन में हिस्सा लिया। इस दौरान सीएम धामी ने कहा यह एक अद्भुत 'पूजन' कार्यक्रम है। इसमें 11,000 कन्याओं का 'कन्या पूजन' किया गया। यह बेटियों के प्रति हमारे समर्पण, भावनाओं और सम्मान को दशार्ता है। इसके साथ ही, इसने हमारी सनातन परंपरा को भी आगे बढ़ाया है। ऐसे कार्यक्रम हमारी युवा पीढ़ी को हमारी विरासत से जुड़ने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

मिडिल ईस्ट संकट पर भारत में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा करने के लिए केंद्र सरकार ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक बुधवार शाम पांच बजे बुलाई गई है। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दल पश्चिम एशिया युद्ध और इसके भारत पर प्रभाव को लेकर सरकार से लगातार सवाल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा था कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए अप्रत्याशित संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है जिससे निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर लोकसभा में वक्तव्य देते हुए यह भी कहा था कि इस संकट का सामना देशवासियों को कोरोना संकट की तरह ही करना होगा। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावट और व्यावसायिक जहाजों पर हमलों को अस्वीकार्य बताते हुए कहा था कि इस समस्या का समाधान कूटनीति और बातचीत से ही संभव है तथा भारत तनाव को कम करने व संघर्ष समाप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

दिल्ली सरकार ने पेश किया 1,03,700 करोड़ का बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए करीब 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट मंगलवार को पेश किया। मुख्यमंत्री ने इसे 'हरित बजट' करार दिया और कहा कि शहर इस समय बदलाव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि "ट्रिपल इंजन" सरकार के साथ राष्ट्रीय राजधानी तेजी से प्रगति कर रही है। रेखा गुप्ता ने साथ ही कहा कि मुफ्त सुविधाओं की संस्कृति से वृद्धि दर प्रभावित हुई और 2018 से 2020 के बीच राजस्व में गिरावट देखी गई। बजट में 74,000 करोड़ रुपये कर राजस्व का अनुमान लगाया गया है, जबकि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लिए 11,666 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय देश में तीसरे स्थान पर है। बजट में

बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को 5,921 करोड़ रुपये जबकि शहरी विकास एवं आश्रय परियोजनाओं के लिए 7,887 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य सुरक्षित सड़कें, जलवायु गलियारे और बेहतर संपर्क व्यवस्था सुनिश्चित करना है।" बिजली विभाग के लिए 3,942 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही, 'ओवरहेड' बिजली तारों को हटाने के लिए अलग से 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने यमुना पार क्षेत्र के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये, जबकि दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड के लिए 787 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। शहर में धूल-मुक्त सड़कों के विकास के लिए 1,352 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

स्वदेशी जहाज तैयार करने पर खर्च होंगे 70,000 करोड़ रुपये

पीएम का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव

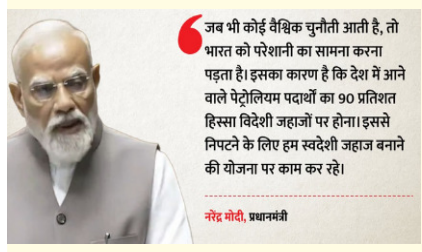

और इसके कारण पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच, भारत ने अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम उठाया है। राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि आयात के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने 70,000 करोड़ रुपये की विशाल स्वदेशी जहाज निर्माण परियोजना शुरू की है। यह कदम इस बात का संकेत है कि भारत वैश्विक अस्थिरता के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट पर राज्यसभा में बोलते हुए कहा, एलपीजी के घरेलू उत्पादन को भी बड़े पैमाने पर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। बीते वर्षों में सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि हर क्षेत्र में दूसरे देशों में निर्भरता कम से कम हो। हम ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर हों, यही एकमात्र विकल्प है। जैसे भारत का 90 प्रतिशत से अधिक तेल विदेशी जहाजों पर होता है, यह स्थिति किसी भी वैश्विक संकट में भारत की स्थिति को और भी गंभीर बना देती है। इसलिए सरकार ने मेड इन इंडिया जहाज बनाने के लिए करीब 70 हजार करोड़ रुपये का अभियान शुरू किया है। भारत आज जहाज निर्माण पर तेज गति से काम कर रहा है। विदेशी जहाजों पर 90% निर्भरता और रणनीतिक जोखिम भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था की ऊर्जा जरूरतें काफी हद तक आयात पर टिकी हैं। प्रधानमंत्री ने उच्च सदन को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि जब भी कोई वैश्विक चुनौती या संकट आता है, तो भारत को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण यह है कि देश के आयात का 90 प्रतिशत हिस्सा विदेशी जहाजों से ही आता है। लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन के इसी जोखिम से निपटने के लिए सरकार ने 70,000 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी स्वदेशी जहाज निर्माण परियोजना की आधारशिला रखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सरकार सभी उपलब्ध स्रोतों से गैस और कच्चे तेल की खरीद करने की कोशिश कर रही है।

बिहार बोर्ड का रिजल्ट जारी, समस्तीपुर के आदित्य बने बिहार बोर्ड टॉपर

समस्तीपुर (एजेंसी)। बिहार इंटरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा में समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय प्रखंड के पाड़ गांव स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र आदित्य प्रकाश अमन साइंस मे 481 अंकों के साथ प्रदेश टॉपर बने हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने के बाद आदित्य ने कहा की अपनी सफलता का श्रेय वह माता -पिता और विद्यालय के शिक्षकों को देते हैं। आदित्य ने कहा कि उनकी इच्छा डॉक्टर बनने की है। इस खबर मिलने के बाद आदित्य की माँ रिंकू कुमारी ने बताया कि उनका बेटा बचपन से ही पढ़ने में मेधावी था। उन्होंने बताया कि आज उन्हें एवं पूरे परिवार के लिए गौरव की बात है कि उनका बेटा पूरे राज्य में टॉप किया है। आदित्य के पिता हरेंद्र कुमार जिले के दलसिंहसराय प्रखंड के सलखन्नी प्राथमिक कन्या विधालय में सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत है।

यह सांविधानिक अधिकारों पर सीधा हमला:राहुल

कांग्रेस ने ट्रांसजेंडर विधेयक का किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की ओर से लाया गया ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) विधेयक सांविधानिक अधिकारों और ट्रांसजेंडर लोगों की पहचान पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस विधेयक का पूरी तरह विरोध करती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने क्या कहा? राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि प्रस्तावित कानून ट्रांसजेंडर

लोगों के मूल अधिकारों को कमजोर करता है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार का ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों के सांविधानिक अधिकारों और पहचान पर खुला हमला है। उन्होंने लिखा कि यह विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों की खुद की पहचान का अधिकार छीन लेता है, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह विधेयक भारत में ट्रांसजेंडर समुदायों की विविध सांस्कृतिक पहचान को खत्म करता है और लोगों को मेडिकल बोर्ड के सामने 'अमानवीय जांच' से गुजरने के लिए मजबूर करता है। राहुल गांधी ने उन प्रावधानों की भी आलोचना की, जिनमें उनके अनुसार बिना पर्याप्त सुरक्षा के आपराधिक दंड और निगरानी की व्यवस्था की गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सरकार ने इस विधेयक को लाने से पहले ट्रांसजेंडर समुदाय से कोई परामर्श नहीं किया और ऐसा विधेयक लाई है, जो उनकी सुरक्षा के बजाय उन्हें कलंकित करता है। उन्होंने आगे कहा, संविधान प्रत्येक भारतीय के जीवन, स्वतंत्रता, पहचान और गरिमा के अधिकार की रक्षा करता है।

बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच रक्षा तैयारियों की समीक्षा, राजनाथ सिंह की अगुवाई में हुई बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा हालात के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उच्चस्तरीय बैठक कर भारत की रक्षा तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें उऋ और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए। आइए विस्तार से जानते हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और बदलते वैश्विक सुरक्षा हालात के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक कर देश की रक्षा तैयारियों की समीक्षा की। वहीं पिछले दिनों 22 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस बैठक हुई थी,

जिसमें ऊर्जा और उर्वरक सप्लाई की समीक्षा की गई थी। बैठक में कौन-कौन हुए शामिल? इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और डीआरडीओ के चेयरमैन समीर कामत समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मौजूदा सुरक्षा स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पश्चिम एशिया संघर्ष का बढ़ता असर पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब चौथे सप्ताह में पहुंच चुका है। इससे होर्मुज स्ट्रेट के जरिए होने वाले व्यापार पर असर पड़ा है।

कांग्रेस का बीजेपी पर बड़ा आरोप, शिक्षा विभाग में 10 हजार भर्तियों के वादे पर युवाओं को गुमराह किया

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर शिक्षा विभाग में दस हजार भर्तियों के वादे को लेकर युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। गहलोत ने कहा कि सरकार के बड़े-बड़े दावों के बावजूद अब तक न तो भर्ती की अधिसूचनाएं जारी हुई हैं और न ही परीक्षाएं आयोजित की गई हैं। उन्होंने इसे प्रशासनिक लापरवाही ही नहीं बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य के साथ सीधा अन्याय बताया। गहलोत ने कहा, बार-बार भर्ती कैलेंडर बदलना और वादों को अधूरा छोड़ना युवाओं का भरोसा तोड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के समय भर्ती प्रक्रियाएं पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाती थीं तथा युवाओं को अवसर दिए जाते थे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी आरोप लगाया कि सरकार ने विज्ञापनों के जरिए भर्ती कैलेंडर का प्रचार तो किया लेकिन जमीन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मंत्री हो या संतरी सब एक समान, कानून करेगा अपना काम:सीएम भगवंत मान

चंडीगढ़। पंजाब वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के जिला मैनेजर (डीएम)

गगनदीप सिंह रंधावा की आत्महत्या के मामले में पंजाब पुलिस ने सोमवार (23 मार्च 2026) को पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस घटना पर दुख जताते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार और प्रताड़ना पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और राज्य में किसी भी अधिकारी के साथ ज्यादती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम भगवंत मान ने गगनदीप सिंह रंधावा की मौत पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए अपना पक्ष विस्तार से रखा। उन्होंने कहा, जिला मैनेजर की आत्महत्या का मामला मेरे संज्ञान में आया है। आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारण जांच का विषय हैं। जांच प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर जोर देते हुए मान ने बताया कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए ही उन्होंने जांच शुरू होने से पहले मंत्री से इस्तीफा ले लिया था, ताकि कोई भी पद का दुरुपयोग कर जांच को प्रभावित न कर सके या किसी पर दबाव न डाल सके। सीएम मान ने सख्त लहजे में कहा कि ऐसा कोई भी काम जिससे किसी की जान जाए, उसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'एलपीजी की डिलिवरी सामान्य, पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश', पश्चिम एशिया संकट के बीच बोली सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान देश में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति स्थिति पर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। साथ ही, सिटी गैस वितरण संस्थाओं को पीएनजी कनेक्शन के विस्तार के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। हालांकि, बड़ी संख्या में कार्गो लाइन में

लगे हुए हैं। देश भर के एलपीजी वितरकों के पास किसी भी तरह की कमी की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दिनों कुछ घबराहट में बुकिंग देखी गई थी। लेकिन एलपीजी की डिलीवरी सामान्य बनी हुई है। मंत्रालय ने आश्वस्त किया है कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति भी पर्याप्त मात्रा में हो रही है। सभी घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर नियमित रूप से दिए जा रहे हैं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी की आपूर्ति शत प्रतिशत सुनिश्चित की गई है। आमलोगों से की गई अफवाहों से बचने की अपील शर्मा ने स्पष्ट किया कि सभी खुदरा दुकानों पर सामान्य परिचालन जारी है। उन्होंने दोहराया कि ईंधन स्टेशनों पर पर्याप्त पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है। उन्होंने आम जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील की। साथ ही, घबराहट में खरीदारी से बचने का आग्रह किया। यह सुनिश्चित किया गया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। पीएनजी कनेक्शन का विस्तार के निर्देश पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनआरजीबी) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

भारतीय रेल ने रिफॉर्म एक्सप्रेस के तहत पाँच नए सुधारों की घोषणा की

गोरखपुर,: रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज घोषणा की कि 2026 के दौरान सुधार करने के भारतीय रेल के संकल्प के अनुरूप, पाँच नए सुधारों को स्वीकृति दी गई है। इन नए सुधारों की मंजूरी के साथ, वर्ष 2026 के लिए सुधारों की कुल संख्या नौ हो गई है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्तमान ह्वरिफॉर्म एक्सप्रेसह्व पहल के तहत, चार सुधारों की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी और अब पाँच नए सुधार पेश किए जा रहे हैं। इन पाँच नए सुधारों में से दो माल ढुलाई से, एक निर्माण से और दो यात्रियों की सुविधा से संबंधित हैं। नमक के परिवहन में सुधार पांचवां सुधार नमक के परिवहन पर केंद्रित है। इसके बारे में श्री वैष्णव ने कहा कि भारत दुनिया में नमक के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। नमक का उत्पादन करने वाले तीन प्रमुख राज्य तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान हैं। भारत में सालाना उत्पादित होने वाले लगभग 35 मिलियन टन नमक में से, लगभग 9.2 मिलियन टन प्रति वर्ष रेल द्वारा पहुँचाया जाता है, जो महत्वपूर्ण और ऐसा अवसर है जिसका अब तक उपयोग नहीं किया गया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नमक के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी उसके उपयोग के अनुसार अलग-अलग होती है - औद्योगिक नमक के लिए यह लगभग 25 प्रतिशत है, और मानव उपभोग के लिए इस्तेमाल होने वाले नमक के लिए यह लगभग 65 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे द्वारा पहुँचाए जाने वाले कुल नमक का 62 प्रतिशत हिस्सा 1,000 से 2,500 किलोमीटर की दूरी तय करता है, जिससे यह खंड रेल परिवहन के लिए बेहद उपयुक्त बन जाता है। श्री वैष्णव ने कहा कि नमक उत्पादकों और ट्रांसपोर्टरों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया ताकि इस क्षेत्र की चुनौतियों को समझा जा सके। इस अध्ययन में कई प्रमुख समस्याओं की पहचान की गई, जिनमें वैगनों का अनुपयुक्त डिजाइन, नमक के कारण वैगनों में जंग लगना, तिरपाल से ढके होने के बावजूद खुले वैगनों में पानी का रिसाव होना, और सामान की कई बार लोडिंग-अनलोडिंग (हैंडलिंग) के कारण लागत में वृद्धि और नुकसान होना शामिल हैं। इन समस्याओं को हल करने के लिए अब स्टेनलेस स्टील से बना, ऊपर से लोड होने वाला और बगल से खाली होने वाला कंटेनर सिस्टम सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। यह कंटेनर जंग से बचाने के लिए स्टेनलेस स्टील से बनाया गया है, और इसमें ऊपर से लोड करने के लिए फ्लैप तथा बगल से खाली करने के लिए हाइड्रोलिक तंत्र लगा है, जिससे गंतव्य स्थान पर ट्रकों में नमक को आसानी से अनलोड किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नमक उत्पादन वाली जगहों पर सीधे लोडिंग के लिए कंटेनर रखे जा सकते हैं। फिर इन कंटेनरों को उठाकर कंटेनर ट्रेनों में लोड किया जा सकता है। मंज़िल पर पहुँचने पर, कंटेनरों को उतारकर गोदामों या वेयरहाउस में रखा जा सकता है, और जरूरत के हिसाब से उन्हें खाली किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह सिस्टम ज्यादा लचीलापन देता है, बिना किसी रुकावट के कई तरीकों से सामान की आवाजाही में मदद करता है, सामान को संभालने में होने वाले नुकसान को कम करता है, और इंडस्ट्री ने इसे काफी पसंद किया है। ऑटोमोबाइल ट्रांसपोर्ट में सुधार भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार प्रति वर्ष लगभग 31 मिलियन यूनिट बनाता है, जिसमें से यात्री वाहनों की संख्या लगभग 5 मिलियन यूनिट होती है। यात्री वाहनों के ट्रांसपोर्ट में रेल का हिस्सा लगभग 24 प्रतिशत है, जिससे पता चलता है कि ऑटोमोबाइल की आवाजाही का बड़ा हिस्सा अब भी सड़क मार्ग से ही होता है। श्री वैष्णव ने कहा कि उद्योग से मिले फीडबैक में डिजाइन और काम करने से जुड़ी कुछ विशेष रुकावटें सामने आईं। रेलवे जिन बड़े ऑटोमोबाइल उत्पादन केंद्रों को सेवा देता है, उनमें गुजरात का महसाणा; महाराष्ट्र और कर्नाटक के चिंचवाड़ और बिदादी; आंध्र प्रदेश का पेनुकोंडा; तमिलनाडु के मेलपक्कम और वालाजाबाद; और हरियाणा के गुरुग्राम का फरुखनगर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पहले के प्रयासों में मौजूदा यात्री डिब्बों को ऑटोमोबाइल ले जाने वाले वैगनों में बदलना और नए समाधान लाना शामिल था। हालाँकि, बाद में विचार विमर्श से पता चला कि मुख्य समस्या ऑटोमोबाइल ले जाने वाले वैगनों के डिजाइन में थी।

गैस संकट, 17 हजार लोगों ने की बुकिंग, 15 हजार को बांटी गई गैस, बैकलॉग फिर 90 हजार के पार

देहरादून ,। घर-घर गैस वितरण के बावजूद संकट थमा नहीं है।15 हजार से ज्यादा लोगों को घर-घर गैस बांटी गई। बावजूद बैकलॉग फिर 90 हजार के पार हुआ। देहरादून जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों के बावजूद स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है। सोमवार को लगभग

15,020 घरेलू और 512 व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की गई जबकि प्रशासन के पास स्टॉक में 35,262 घरेलू और 1,313 व्यावसायिक सिलेंडर उपलब्ध हैं। इसके बावजूद मांग और आपूर्ति के बीच बड़ा अंतर बना है, जिससे संकट बरकरार है। एलपीजी की कालाबाजारी रोकने और शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने क्षेत्रवार क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) का गठन किया है। इन टीमों ने गैस एजेंसियों का निरीक्षण कर मांग, आपूर्ति और वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। हालांकि इन प्रयासों के बावजूद हालात चिंताजनक बने हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडरों का बैकलॉग सोमवार को फिर बढ़कर करीब 90 हजार तक पहुंच गया है, जो आपूर्ति व्यवस्था की चुनौतियों को दशार्ता है। उधर, जिला प्रशासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1077, 0135-2626066, 2726066 और व्हाट्सएप नंबर 7534826066 पर एलपीजी आपूर्ति से जुड़ी 12 शिकायतें दर्ज की गई हैं। जिला खाद्य पूर्ति विभाग के कंट्रोल रूम की ओर से समस्याओं के त्वरित समाधान का दावा किया जा रहा है।

हिमस्खलन को लेकर चेतावनी, इन तीन जिलों को खतरा, ऊंचाई वाले इलाकों में जाने से बचने की सलाह

देहरादून , (जीएनएस)। उत्तराखंड में हिमस्खलन को लेकर चेतावनी जारी की है। डीजीआरई ने इन तीन जिलों में खतरा बताते हुए ऊंचाई वाले इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी है। डीजीआरई ने हिमस्खलन को लेकर चेतावनी जारी है। जारी बुलेटिन के अनुसार राज्य में उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ के तीन हजार मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए खतरे का

स्तर-दो (मध्यम खतरा, छोटे हिमस्खलन की संभावना) और रुद्रप्रयाग और बागेश्वर के लिए खतरे का स्तर-एक (कम खतरा) बताया है। डीजीआरई ने ऊंचाई वाले इलाकों में अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूवार्नुमान के अनुसार 23 मार्च को उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जिले में बिजली चमकने के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। आने वाले दिनों की बात करें तो 27 मार्च तक प्रदेश भर में मौसम बदला-बदला रहेगा। रविवार के आंकड़ों की बात करें तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कमी के साथ 27.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि रात का न्यूनतम तापमान भी सामान्य से दो डिग्री कमी के साथ 12.6 डिग्री रहा। जबकि पर्वतीय इलाकों के तापमान में ज्यादा कमी देखने को मिली।

महाराणा प्रताप स्पोर्टस कॉलेज सहित 16 से ज्यादा निजी व सरकारी संस्थान, निगम के करोड़ों के बकायेदार

देहरादून ,। महाराणा प्रताप स्पोर्टस कॉलेज सहित 16 से ज्यादा निजी से लेकर सरकारी संस्थान, निगम के करोड़ों के बकायेदार हैं। कर न देने वाले संस्थानों पर निगम की नजर है। नगर निगम देहरादून को कई सरकारी और निजी संस्थानों से संपत्ति कर नहीं मिल पा रहा है। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज और सिडकुल जैसे बड़े संस्थान भी निगम का कर जमा करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। निगम का कहना है कि यदि यह बकाया कर मिल जाए तो शहर में बड़े पैमाने पर विकास कार्य कराए जा सकते हैं। निगम पिछले कई वर्षों से इन संस्थानों के साथ पत्राचार कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद कर जमा करने में टालमटोल जारी है। वर्तमान में नगर निगम ने वसूली अभियान तेज कर दिया है और बकायेदारों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। नगर निगम ने इस वर्ष 65 करोड़ रुपये से अधिक कर वसूली का लक्ष्य रखा है। इसमें बकाया वसूली के साथ-साथ नई संपत्तियों को कर दायरे में लाना भी शामिल है। संपत्ति कर ही है निगम की मुख्य आय का जरिया नगर निगम के पास इस समय सौ वार्डों में रहे करीब 15 लाख लोगों का जिम्मा है। इन लोगों के अच्छी सड़क, पथ प्रकाश व्यवस्था, पार्क और साफ-सुथरा शहर इलाका मिले। कर के इस रुपये से नगर निगम यही विकास कराता है। अगर निगम क्षेत्र में रहने वाले लोग काम करने वाले संस्थान निगम का कर नियमानुसार नहीं देंगे तो क्या होगा? नगर निगम की ओर से 53 करोड़ रुपये से ज्यादा का कर की वसूली अभी तक की जा चुकी है। यह वसूली 20 प्रतिशत छूट के अलावा है। नगर निगम का लक्ष्य इस वर्ष 65 करोड़ रुपये का है। ऐसे में इस समय नगर निगम की से कर वसूली के लिए पूरी ताकत लगाई हुई है।

फीताड़ी गांव में भीषण अग्निकांड, घटना में 12 लोगों के भवन जलकर राख, तीन गाय जिंदा जली

देहरादून ,। उत्तरकाशी के फीताड़ी गांव में आगजनी की घटना में 12 लोगों के भवन जलकर राख हो गए। तीन गाय भी जिंदा जलने से मर गई। मोरी विकासखंड के दूरस्थ फीताड़ी गांव में देर रात दो लकड़ी के भवनों में अचानक आग लग गई है। घटना में 12 लोगों के भवन जलकर राख हो गए है। जबकि तीन गाय जिंदा जल गई। आग पर करीब सात घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मौके पर तहसील प्रशासन और पुलिस सहित एसडीआरएफ की टीमें राहत बचाव का कार्य कर रही हैं। गांव में अन्य भवन भी लकड़ी के होने और उनके बीच दूरी कम होने के कारण भीषण अग्निकांड का खतरा बना हुआ है। अग्निशमन सहित पुलिस, राजस्व विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हुई। जानकारी के अनुसार, गांव में लकड़ी के भवन और घनी बस्ती होने के कारण गांव में भीषण अग्निकांड का खतरा बन गया है। हालांकि ग्रामीण आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग लगातार फैलती गई। तहसील मोरी के ग्राम फिताडी के ग्राम प्रधान ने बताया कि 12 आवासीय भवनों में आग लगने की सूचना है। कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने फीताड़ी गांव में अग्निकांड की घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी उत्तरकाशी को तत्काल घटना स्थल पर पहुँचने के निर्देश दिए।

भटनी-औंड़िहार दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत 89 किमी. कमीशंड

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इसी क्रम में, भटनी-औंड़िहार (117 किमी.) खंड के विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण का कार्य रू. 1177.96 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। यह दोहरीकरण परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश में देवरिया, बलिया, मऊ एवं गाजीपुर जनपदों में अवस्थित है। इस परियोजना को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत पिवकोल-लार रोड खंड (14.53 किमी.) के दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। रेल संरक्षा आयुक्त उत्तर पूर्व सर्किल 25 मार्च, 2026 को इस नव दोहरीकृत एवं विद्युतीकृत रेल खंड का निरीक्षण करेंगे तथा स्पीड ट्रायल किया जायेगा। रेल प्रशासन का आमजन से अपील है कि निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल के दौरान इस नव दोहरीकृत एवं विद्युतीकृत रेल लाइन पर न तो स्वयं जायें न ही अपने मवेशियों को जाने दें। इस परियोजना के अन्तर्गत कीड़िहरापुर-इंदारा, सदात-औंड़िहार, भटनी-पिवकोल, बेलथरा रोड-कीड़िहरापुर,

दुल्लहपुर-सादात, मऊ-दुल्लहपुर खंडों सहित कुल 89 किमी. का कार्य पूरा हो चुका है। परियोजना के अंतिम चरण में सलेमपुर-बेलथरा रोड (13.00 किमी.) खंड के दोहरीकरण का कार्य, जिसमें घाघरा नदी पर तुतीर्पार रेल पुल का निर्माण कार्य सम्मिलित है जो कि तीव्र गति से चल रहा है। भटनी-औंड़िहार खंड के दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने से गोरखपुर से वाराणसी-प्रयागराज दोहरीकृत रेल लाइनों से जुड़ जाएगा, जिससे लाइन क्षमता में बढ़ोत्तरी के साथ टेज्नों का संचालन सुगम होगा तथा ट्रेन पासिंग/क्रासिंग के लिए अनावश्यक विलंब नही होगा। यात्रा समय में कमी आयेगी तथा जन आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक ट्रेनों का संचलन हो सकेगा। क्षेत्र में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी तथा क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ेगा।

विद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा लगाये गये विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार

गोरखपुर,: एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्ड्री स्कूल, जटेपुर रेलवे कालोनी, गोरखपुर का वार्षिकोत्सव प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार के मुख्य आतिथ्य में 24 मार्च, 2026 को सोल्लास सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार ने विद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा लगाये गये विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन फीता काटकर किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गान, अंग्रेजी कविता पाठ, हिन्दी नाटक, कवि सम्मेलन और समूह नृत्य जैसे विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसकी उपस्थित अतिथियों ने सराहना की। समारोह को सम्बोधित करते हुये प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को सदैव परिश्रम करते रहना चाहिए। कड़ी मेहनत एवं निरन्तर प्रयास से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। इसके पूर्व, प्रधानाचार्य डॉ० बीर जी श्रीवास्तव ने विद्यालय का वार्षिक विवरण तथा भविष्य की योजनाओं से मुख्य अतिथि को अवगत कराया। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने वर्षभर विद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। पुरस्कृत छात्र-छात्राओं में सत्र 2024-25 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा-06 के अविनाश प्रजापति, कक्षा-07 के प्रतिज्ञा तिवारी, कक्षा-08 के शशांक सिंह, कक्षा-09 के देवांश कुमार, कक्षा-10 की अल्पना पासवान, कक्षा-11 के यशदीप सिंह, कक्षा-12 के तन्मई मिश्रा एवं विद्यालय के सर्वोत्तम छात्र यशदीप सिंह, सर्वोत्तम छात्रा दिव्या विश्वकर्मा, क्रीड़ा चैम्पियन विनीत कुमार, एवं रूतवी सिंह तथा साहित्य एवं सांस्कृति चैम्पियन दिव्या विश्वकर्मा सम्मिलित है। अध्यक्ष/आर.आर.सी. एवं विद्यालय के कार्यकारी अधिकारी श्री राजेश कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

केदारनाथ व बदरीनाथ धाम में खत्म नहीं होगा टोकन सिस्टम, श्रद्धालुओं को हो सकेंगे सुगम दर्शन

देहरादून ,। केदारनाथ व बदरीनाथ धाम में हर साल श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन हो सके। इसके लिए व्यवस्था बनाई गई। अगले माह से शुरू हो रही चारधाम यात्रा में इस बार भी केदारनाथ व बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए टोकन सिस्टम व्यवस्था लागू रहेगी। पर्यटन व जिला प्रशासन ने पिछले साल दोनों धामों में टोकन व्यवस्था लागू की थी, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने पर टोकन काम नहीं आया था। पर्यटन विभाग ने वैष्णों देवी समेत देश के अन्य बड़े मंदिरों की तर्ज पर केदारनाथ व बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए टोकन व्यवस्था लागू की थी। इसका मकसद था कि श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए लंबी लाइनों में खड़ा न होना पड़े। यात्रा पंजीकरण पर श्रद्धालुओं के धाम में पहुंचने पर उन्हें टोकन नंबर देने की व्यवस्था की गई थी। टोकन में दर्शन करने का समय दिया गया था। शुरूआत में टोकन मिलने के बाद भी श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए लाइन में लग कर इंतजार करना पड़ा। चारधाम तीर्थपुरोहित महापंचायत ने टोकन व्यवस्था को अव्यवहारिक बताते हुए।

सिलिंडर की आंच धीमी पड़ी तो रोटी में लगी आग, गैस संकट से ढाबों और ठेलियों में बढ़े दाम

देहरादून ,। रोटी पर भी महंगाई की मार पड़ने लगी है। गैस संकट से ढाबों-ठेलियों में मिलने रोटी अब पहले से महंगी हो गई। गैस सिलेंडर की किल्लत का असर अब आम लोगों की थाली तक भी पहुंच गया है। ढाबों व ठेलियों पर मिलने वाली रोटी अब पहले से महंगी हो गई है। जहां पहले ढाबों और ठेलियों पर रोटी सात से आठ रुपये में मिल जाती थी, वहीं अब

इसकी कीमत बढ़कर 12 से 15 रुपये तक पहुंच गई है। ढाबा संचालकों का कहना है कि गैस महंगी होने और सिलेंडर की कमी के कारण उन्हें मजबूरी में दाम बढ़ाने पड़े हैं। पटेल नगर क्षेत्र के ठेली संचालकों ने बताया कि गैस सिलेंडर न तो आसानी से मिल रहे हैं, न ही समय पर बुकिंग हो पा रही है। एजेंसियों पर भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है। ढाबा संचालकों का कहना है कि सिलेंडर न मिलने के कारण अब उन्हें गैस की जगह चूल्हे पर खाना बनाना पड़ रहा है। इससे समय और लागत दोनों बढ़ रहे हैं, जिसका सीधा असर खाने के दामों पर पड़ रहा है। एक सप्ताह से नहीं मिला सिलिंडर राजपुर रोड के ढाबा संचालक राजेंद्र ने बताया कि उनका गैस सिलेंडर खत्म हुए एक सप्ताह हो गया है और अब तक नया सिलेंडर नहीं मिल पाया है, जिसके चलते उन्हें चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं कारगी क्षेत्र के ठेली चालक महेंद्र ने बताया कि सिलेंडर की किल्लत के कारण रोटी के दाम करीब तीन रुपये बढ़ाने पड़े हैं। गैस संकट के चलते आम लोगों की जेब पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है, क्योंकि सस्ती मिलने वाली रोटी अब महंगे दामों पर मिल रही है।

अक्षय तृतीया पर खुलेंगे यमुनोत्री धाम के कपाट, मंदिर समिति की अगुवाई में निकाला गया शुभ मुहूर्त

बड़कोट (उत्तरकाशी) ,। मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरसाली गांव में स्थित यमुना मंदिर में आज यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित की गई। कपाट खुलने का शुभ मुहूर्त निकाला गया। यमुनोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल रविवार को अक्षय

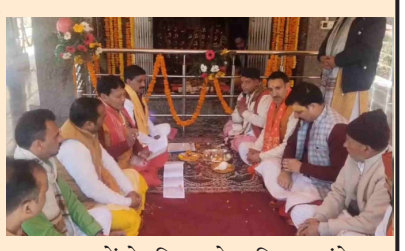

तृतीया के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। 12 बजकर 35 मिनट पर कर्क लग्न अनुसार कृतिका नक्षत्र आयुष्मान योग पर विशेष पूजा अर्चना विधि-विधान के साथ कपाट खुलेंगे। आज मंगलवार यमुना जन्मोत्सव के अवसर पर मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरसाली गांव में स्थित यमुना मंदिर में आज यमुनोत्री मंदिर समिति की अगुवाई में यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने का विधिवत रूप से शुभ मुहूर्त निकाला गया। मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि इससे पहले खरसाली गांव से मां यमुना की डोली सुबह 8.30 बजे स्थानीय वाद्ययंत्रों के साथ यमुनोत्री के लिए रवाना होगी। खरसाली गांव से यमुना के भाई शनिदेव महाराज सोमेश्वर महाराज की डोली भी अपनी बहन को विदा करने यमुनोत्री जाएंगे।

दो गुटों के विवाद में मुजफ्फरनगर के छात्र की मौत, हिरासत में तीन युवक, पुरानी रंजिश बताई जा रह

देहरादून ,। राजधानी देहरादून में छात्रों के दो गुटों में हुए विवाद में मुजफ्फरनगर के छात्र की मौत हो गई। विवाद को लेकर पुरानी रंजिश बताई जा रही है। राजधानी देहरादन के प्रेमनगर क्षेत्र केहरी गांव में छात्रों के दो गुटों में विवाद हो गया। इस विवाद में एक छात्र की मौत हो गई। वारदात के बाद तीन छात्र हिरासत में लिए गए हैं। एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने बताया कि सोमवार रात सूचना मिली थी कि कुछ युवकों के बीच आपसी मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद दून अस्पताल रैफर किया गया। जहां उपचार के दौरान देर रात मुजफ्फरनगर के भोपा निवासी, दिव्यांशु जाटराना (22) की मौत हो गई है। परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दोनों पक्षों के युवक एक निजी संस्थान में छात्र है। विवाद की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। इसके चलते सोमवार रात दोनों पक्षों में विवाद हुआ।

योगी सरकार 142 बीपीएचयू के जरिए उपलब्ध कराएगी आधुनिक स्वास्थ्य सेवाये

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को ब्लॉक स्तर तक मजबूत और आधुनिक बनाने की तैयारी तेज हो गई है। योगी सरकार राज्य के विभिन्न ब्लॉकों में 142 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट बीपीएचयू स्थापित करने जा रही है। इन यूनिटों के जरिये ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को जांच, पंजीकरण और प्राथमिक उपचार की बेहतर सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी।हर ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट को करीब 50 लाख रुपये की लागत से हाईटेक बनाया जाएगा। इनमें इंचार्ज कक्ष, रजिस्ट्रेशन रूम, वेटिंग रूम, सेंट्रल इंटीग्रेटेड लैब समेत कई आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। इनका निर्माण मौजूदा पीएचसी और सीएचसी के भीतर ही कराया जाएगा, ताकि पहले से उपलब्ध स्वास्थ्य ढांचे को और अधिक सक्षम बनाया जा सके।पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि योगी सरकार की योजना केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इन इकाइयों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इससे ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आसान होगी और मरीजों को जिला अस्पतालों पर निर्भरता कम रहेगी।

परिवेश पोर्टल से लें वन एनओसी, जनहित योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

■ ग्वालियर

विकास कार्यों के लिए वन विभाग की अनापत्ति (एनओसी) प्राप्त करने हेतु अब सभी विभागों को परिवेश पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जिलाधीश रुचिका चौहान ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में निर्देश दिए कि निर्धारित दस्तावेजों के साथ आवेदन कर प्रक्रिया को तेज किया जाए। वन विभाग से राजस्व भूमि की अदला-बदली के लिए भी यही प्रक्रिया अपनाने को कहा गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, संकल्प से समाधान, सीएम हेल्पलाइन, ई-टोकन से खाद वितरण, एलपीजी वितरण व अग्नि सुरक्षा जैसे प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। सीएम हेल्पलाइन में जिले को ए-ग्रेड मिलने पर जिलाधीश ने अधिकारियों की सराहना की, वहीं शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जल संरक्षण पर जोर देते हुए जिलाधीश ने सभी अमृत सरोवरों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने, जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरचनाएं विकसित करने के निर्देश दिए। नगर निगम में वार्डवार कार्ययोजना बनाकर सीवर सफाई को भी प्राथमिकता में शामिल करने को कहा गया। साथ ही औद्योगिक इकाइयों, आंगनबाड़ी व सार्वजनिक भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य करने के निर्देश दिए। अग्नि सुरक्षा को लेकर 25 मार्च को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय परिसर में प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके साथ 29 से 31 मार्च तक ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में अग्नि सुरक्षा मेला भी लगाया जाएगा, जहां सुलभ अग्निशमन यंत्र उपलब्ध कराए जाएंगे।

सुषमा को पढ़ाई के लिए सहायता राशि और विमला को किया सम्मानित

ग्वालियर। राष्ट्रीय प्रजापति हितकारिणी महासभा के तत्वावधान में 'नव संवत्सर रंगोत्सव, पारिवारिक मिलन एवं वैवाहिक परिचय सम्मेलन' का आयोजन रामबोला सभागार मानस भवन फूलबाग परिसर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ख्यालेन्द्र प्रजापति उपस्थित रहे। अध्यक्षता सूरजभान प्रजापति ने की। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण कन्या पूजन रहा, जिसमें विधि-विधान से पूजन कर कन्याओं को चुनरी, उपहार एवं राशि भेंट की गई। साथ ही संगठन की कन्या शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली छात्रा सुषमा प्रजापति को एमबीए की पढ़ाई के लिए 9356 की सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर ग्वालियर की प्रथम महिला पीएचडी धारक डॉ. विमला प्रजापति एवं तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तेजेन्द्र प्रजापति को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में वैवाहिक परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें 15 युवक-युवतियों ने परिवार सहित परिचय दिया।

डिजिटल जनगणना की तैयारी तेज, 6 हजार कर्मचारी निभाएंगे जिम्मेदारी

■ ग्वालियर

जिले में जनगणना-2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधीश एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी रुचिका चौहान ने जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक में निर्देश दिए कि सभी अधिकारी इस कार्य को गंभीरता व मुस्तैदी के साथ समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने कहा कि किसी भी शासकीय कर्मचारी को अवकाश देने से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि उसकी ड्यूटी जनगणना में तो नहीं लगी है।

बैठक में बताया गया कि जिले में प्रगणक और पर्यवेक्षकों का चयन कर लिया गया है तथा प्रशिक्षण की तिथियां भी तय हो चुकी हैं। देश में पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होगी, जिसमें लोगों को स्व-गणना का विकल्प भी मिलेगा। इसके तहत नागरिक पोर्टल पर 34 बिंदुओं में अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। जनगणना दो चरणों में होगी। प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकान गणना (एचएलओ) का कार्य किया जाएगा, जिससे द्वितीय चरण के लिए आधार तैयार होगा। द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा। जिले में इस अभियान के लिए लगभग 6 हजार अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहेंगे, जिनमें 5 हजार प्रगणक, 829 पर्यवेक्षक, 41 चार्ज अधिकारी और अन्य प्रशिक्षक शामिल हैं। शहरी क्षेत्र में नगर निगम आयुक्त और ग्रामीण क्षेत्र में जिला पंचायत सीईओ इस कार्य की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रथम चरण में प्रगणक घर-घर जाकर मकान की स्थिति, परिवार प्रमुख, कमरों की संख्या, पेयजल, बिजली, शौचालय, इंटरनेट, मोबाइल, वाहन सहित 34 बिंदुओं की जानकारी एकत्र करेंगे। यह डाटामोबाइल एप के माध्यम से संग्रहित होगा और इसकी बहुस्तरीय जांच की जाएगी। जनगणना कार्य में लगे प्रत्येक प्रगणक व पर्यवेक्षक को दोनों चरणों के लिए कुल 25-25 हजार रुपए मानदेय दिया जाएगा।

तीर्थंकर महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में होंगे खेलकूद, महिला सम्मेलन

प्रभातफेरी और रथयात्रा निकलेगी

■ ग्वालियर

आठ दशकों से जारी परम्परा के अनुरूप इस वर्ष भी तीर्थंकर महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अन्तर्गत अखिल जैन समाज ग्वालियर ,भगवान महावीर महोत्सव समिति द्वारा खेलकूद प्रतियोगिताएं, महिला सम्मेलन एवं प्रभातफेरी और रथयात्रा निकाली जाएगी।

समिति के डीके जैन एवं संजीव पारख ने बताया है कि 26 मार्च को प्रातः 8 बजे से महावीर भवन कम्पू में सभी वर्गों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं होंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह होंगे। 28 मार्च को श्री श्वेताम्बर उपाश्रय, बैरागपुरा, सर्राफा में दोपहर 2 बजे से महिला सम्मेलन होगा। जिसकी अतिथि एसडीएम वंदना जैन होंगी। कार्यक्रमों का समापन 30 मार्च को भव्य प्रभातफेरी एवं रथयात्रा से होगा, जो श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार से प्रारंभ होकर माधवगंज, महाराज बाड़ा, सराफा, दौलतगंज, हुजरात, नया बाजार होते हुए महावीर भवन कम्पू पहुंचेगी। पवन जैन,(जौरा)के ध्वजारोहण के उपरांत तीर्थंकर महावीर स्वामी के चित्र का अनावरण महेश गुरु एवं सोहनलाल,मनोज जैन के दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात अभिषेक,पूजन,विधान होगा। कार्यक्रम के अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर होंगे। हर्ष बहु मण्डल की रंगारंग प्रस्तुतियां, महाराष्ट्रीयन ढोल के साथ-साथ भगवान महावीर के रथ को श्रावकों द्वारा हाथ से खींचना आकर्षण का केंद्र रहेगा। समिति के निर्मल कोठारी, प्रेमचंद पाण्डवीय, पारसमल पारख, सुनील शास्त्री, आईपी जैन, बसंत जैन, जवाहर जैन, दीपक तातेड़, संजय जैन, आशीष कोठारी, , विवेक जैन, दिनेश जैन, सन्तोष जैन, हेमन्त कोठारी,ऋषभ जैन, हीरालाल,धीरज जैन, चेतन कोठारी,राजकुमार जैन, मुकेश जैन, अनिल जैन आदि गत 20 दिनों से घर-घर आमंत्रण देकर लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह कर रहे हैं।

एलएनआईपीई 7 स्टार टीम ने 4-1 से जीता फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

ग्वालियर। रामकृष्ण मिशन परिसर में आयोजित 'स्वामी विवेकानंद कप फुटबॉल टूर्नामेंट' का समापन रोमांचक मुकाबले के साथ सोमवार को हुआ। फाइनल में एलएनआईपीई 7 स्टार टीम ने आरकेएमएफए को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया एवं क्षेत्रीय पार्षद अनिल त्रिपाठी ने विजेता टीम को 7 हजार रुपए नकद और शील्ड प्रदान की। उपविजेता टीम को 5 हजार रुपए पुरस्कार के साथ रनरअप ट्रॉफी प्रदान की गई। व्यक्तिगत प्रदर्शन में रोहित यादव 'बेस्ट स्ट्राइकर' और कुबेर सिंह 'बेस्ट गोलकीपर' चुने गए। इस मौके पर श्री आर्य ने कहा कि विजेता खिलाड़ी जीत की खुशी में अहंकार न आने दें और जो आज हारे हैं, वे कल की जीत के लिए मैदान पर पसीना बहाएं। इस अवसर पर स्वामी कृष्णामृतानंद महाराज, विजय शर्मा, अवधेश दीक्षित, अर्पिता मुखर्जी आदि उपस्थित रहे।

यात्री का बैग लौटाया

ग्वालियर। संपर्क क्रांति के बी- टू कोच की सीट 24 पर एक यात्री का बैग छूट गया। बैग छूटने की सूचना पर आरपीएफ के प्रधान आरक्षक शीशराम गुर्जर द्वारा ट्रेन अटेंड की गई। ट्रेन में आरक्षक को बैग सुरक्षित मिल गया। इसके बाद यात्री राहुल के मित्र वरीद खान आर्मी जवान ने आकर बैग प्राप्त किया।

फालूदा और कुल्फी खाने से चार लोगों की हालत बिगड़ी, रेफर

■ भितरवार

भितरवार थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 में फालूदा और कुल्फी खाने के बाद चार लोगों की अचानक तबियत बिगड़ गई। सभी को भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार उदयभान सिंह यादव की पत्नी रेनू यादव उम्र 42 वर्ष एवं उनका बच्चा राज यादव उम्र 14 वर्ष सहित उनके मकान में किराए से रहने वाले रवि राजपूत पुत्र धर्मेंद्र राजपूत निवासी पार एवं आशीष परिहार पुत्र सोनू परिहार उम्र 16 वर्ष निवासी डडूमर चारों की फालूदा और कुल्फी खाने से सोमवार की शाम को अचानक तबियत बिगड़ गई। परिजनों का कहना है कि सोमवार की शाम लगभग 5 बजे तिराहे से श्री देव फालूदा वाले के यहां से फालूदा और कुल्फी लेकर आए थे जो घर पर आकर चारों लोगों ने खाई। खाने के कुछ समय बाद चारों की तबियत बिगड़ने लगी। परिजन चारों को भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार किया। सूचना मिलने पर भितरवार तहसीलदार धीरज सिंह परिहार एवं थाना प्रभारी सुधीर सिंह एवं मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी अशोक खरे पहुंचे। चारों को प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से ग्वालियर रेफर किया गया।

ग्राहकों को मिला ऋण स्वीकृति का लाभ

ग्वालियर, । यूको बैंक द्वारा सोमवार को एक होटल में 'कार्निवल मीट' का आयोजन किया गया। जिसमें बैंक के ग्राहकों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए और नए ग्राहकों का स्वागत व सम्मान किया गया। नई दिल्ली से आए महाप्रबंधक अंबिकानन्द झा ने बताया कि यूको बैंक द्वारा गृह ऋण 7.10 और कार ऋण 7.45 प्रतिशत की आकर्षक दरों से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जो अन्य बैंकों की तुलना में प्रतिस्पर्धी हैं। इस अवसर पर ग्वालियर अंचल प्रबंधक अक्षय कुमार सहित शहर की विभिन्न शाखाओं के ग्राहक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला लापता युवक का शव

श्योपुर। जिले के गुरनावदा गांव से 20 मार्च से लापता हुए 22 वर्षीय युवक लखमी बेरवा का शव सोमवार को गांव के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। जानकारी के अनुसार लखमी बेरवा पुत्र गंगाधर बेरवा 20 मार्च की सुबह करीब 11 बजे अपने घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की। कोई सुराग नहीं मिलने पर उन्होंने मानपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

टीईटी से नाराज शिक्षक सड़कों पर, सौंपा ज्ञापन

■ भितरवार

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के विरोध में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने सोमवार को प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार धीरज सिंह परिहार को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिला अध्यक्ष वेदपाल परमार के नेतृत्व में दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक एवं संघ के पदाधिकारी शामिल हुए। ज्ञापन के माध्यम से संघ ने प्रदेश सरकार से टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त करने या इसमें आवश्यक संशोधन करने की मांग की। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि लंबे समय से कार्यरत अतिथि एवं संविदा शिक्षक पहले ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं, ऐसे में बार-बार परीक्षा की बाध्यता उनके लिए मानसिक और आर्थिक परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों का अनुभव रखने वाले शिक्षकों को दोबारा परीक्षा देने के लिए मजबूर करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द ही इस विषय पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। तहसीलदार ने आश्वासन दिया कि शिक्षकों की मांगों को शासन तक पहुंचाया जाएगा और उचित कार्रवाई के लिए प्रयास किए जाएंगे।

100 रुपए नहीं देने पर युवक को चाकू मारे

ग्वालियर, । जनकगंज थाना क्षेत्र में एक युवक को स्मैक पीने के लिए 100 रुपए नहीं देने पर हमलावरों ने ताबड़तोड़ चाकू मारकर लहूलुहान कर दिया और मौके से फरार हो गए। सोमवार शाम छह बजे के करीब नेहरु पेट्रोल पम्प के पास हलवाई का काम करने वाले युवक को कालू उसके भाई रफीक और साथियों ने 100 रुपए नहीं देने पर चाकू से हमला कर दिया। हमलावरों ने पीठ, हाथ, पेट और गर्दन पर चाकू मारकर घायल कर दिया। चाकू लगने से युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल युवक का कहना है कि स्मैक पीने के लिए रुपए नहीं देने पर उसके ऊपर हमला किया गया है। घायल को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। घायल का कहना है कि वह थाने गया था और बाद में उसके परिजनों ने चिकित्सालय में भर्ती करा दिया है।

नॉर्थ जोन इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट के लिए ग्वालियर की टीम चयनित

ग्वालियर। मध्यप्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा 2 से 9 अप्रैल तक आयोजित अंडर 20 नॉर्थ जोन इंटर डिस्ट्रिक फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए ग्वालियर की टीम चयन के लिए सोमवार को बिरला नगर स्थित जेसी मिल्स स्कूल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। जिसमें 22 सदस्यीय टीम का चयन किया गया। जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव शिववीर सिंह भदौरिया ने बताया कि ग्वालियर की टीम में लवकुश, कौशलेन्द्र, हर्षित चाहर, वंश गौर, भुवन थापा, राहुल बघेल, अनिक पाठक, अर्नव तोमर, कुश कुशवाह, आदित्य यादव, युवराज सिकरवार, भीकम, सचिन गुर्जर, ऋतिक सेन, राज गुर्जर, अंशुल कुशवाह, मलय, विनय, देवांश सिंह तोमर, युवराज राजावत तथा सक्षम को शामिल किया गया है। चयनित टीम के लिए 25 मार्च से एमएलबी कॉलेज के फुटबॉल ग्राउंड पर सात दिवसीय कैंप आयोजित किया जा रहा है।

निषादराज जयंती पर सुंदरकांड पाठ, समाज ने लिया नशामुक्ति व शिक्षा का संकल्प

■ डबरा

निषादराज की जयंती के अवसर पर नगर के गौरी मैरिज गार्डन में सुंदरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में माझी समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और धार्मिक वातावरण में आयोजन को सफल बनाया।

आयोजक मुकेश बाथम ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत निषादराज जी एवं अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और तिलक वंदन के साथ हुई। इसके पश्चात विधिवत पूजन कर सुंदरकांड पाठ प्रारंभ किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया।

इस अवसर पर समाज के बुजुर्ग, बुद्धिजीवी, युवा और महिलाओं ने एकजुट होकर समाज सुधार का संकल्प लिया। उपस्थित जनों ने नशा और कुरीतियों से दूर रहने, युवाओं को जागरूक करने तथा बच्चों को शिक्षा की ओर अग्रसर करने का प्रण लिया। साथ ही गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने का भी निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में रामू केवट (पूर्व मंडी सदस्य), डॉ. राकेश बाथम, नवल बाथम, जनपद सदस्य राकेश बाथम, सरपंच सीताराम बाथम, राजेश बाथम, कुसुम माझी, केदार बाथम, रामजीत कश्यप, कमल मांझी, अरविंद बाथम, सुनील बाथम, मदन भगत, गंगाराम बाथम, आकाश बाथम, दामोदर बाथम, मेहताब बाथम, लालाराम बाथम, विक्की केवट, राजेश केवट, भीकम बाथम, रज्जू बाथम सहित सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल सवार दंपति घायल, पत्नी की हालत गंभीर

■ भितरवार

लखेश्वरी माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे एक दंपति सोमवार दोपहर सड़क हादसे का शिकार हो गए। घाटी उतरते समय मोटरसाइकिल के अचानक ब्रेक फेल हो जाने से वाहन अनियंत्रित होकर फिसल गया, जिससे पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, डबरा के सेकरा जागीर निवासी बलवीर जाटव अपनी पत्नी सोनू जाटव (35) के साथ सोमवार को लखेश्वरी मंदिर दर्शन करने गए थे। दोपहर करीब 3:30 बजे जब वे वापस लौट रहे थे, तभी घाटी पर ढलान के दौरान उनकी बाइक के ब्रेक फेल हो गए। तेज ढलान के कारण संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क पर फिसलते हुए गिर गई। हादसे के बाद राहगीरों ने तुरंत 108 एंबूलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल दंपति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भितरवार ले जाया गया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने दोनों का प्राथमिक उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार, सोनू को गंभीर चोटें आई हैं। उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर कर दिया गया है।

बीच सड़क पर दी सीपीआर, लौटी सांस

■ मुरैना

मुरैना शहर की एमएस रोड पर उस समय लोगों की भीड़ जुट गई जब स्कूटी पर सवार होकर जा रहे सीआरपीएफ के एक जवान को दिल का दौरा पड़ गया। जिससे वह बीच सड़क पर गिर पड़े। वहां से गुजर रहे लोगों ने तुरंत उन्हें सड़क किनारे किया और उनको सीपीआर देना प्रारंभ कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि थोड़ी देर बाद उनकी सांस लौट आई। बाद में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। यह वाक्या रविवार की देर शाम घटित हुआ।

दरअसल खड़ियाहार गांव निवासी कुलदीप तोमर सीआरपीएफ में पदस्थ हैं। वह रविवार देर शाम स्कूटी पर सवार होकर मुरैना शहर की एमएस रोड पर जा रहे थे। उसी दौरान अचानक वह बेहोश होकर बीच सड़क पर गिर पड़े।

हालांकि गिरने से पहले उन्होंने स्कूटी रोक ली थी। वहां से गुजर रहे लोगों को यह समझते देर नहीं लगी कि स्कूटी सवार युवक को दिल का दौरा पड़ा है। भीड़ में से जानकार एक-दो लोगों ने उन्हें सीपीआर दिया। करीब 15 मिनट बाद कुलदीप तोमर को होश आ गया। इसके बाद वह लोगों की मदद से एक निजी अस्पताल में पहुंचे।

अश्लील मैसेज का स्क्रीनशॉट दिखाकर एक लाख की ठगी

भिण्ड। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवक से उसकी साली के साथ हुई पुरानी इंस्टाग्राम चैट के आधार पर ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। आरोपी ने अश्लील चैट वायरल करने की धमकी देकर युवक से अवैध वसूली कर ली। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र निवासी युवक अजय अपनी साली से इंस्टाग्राम पर बातचीत करता था। दोनों के बीच निजी और प्रेम संबंधी बातें भी होती थीं। करीब एक साल पहले साली की शादी हो जाने के बाद युवक ने उससे बातचीत बंद कर दी। इसी दौरान दोनों की पुरानी चैट किसी अज्ञात व्यक्ति के हाथ लग गई। आरोपी ने चैट के स्क्रीनशॉट दिखाकर युवक को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पिछले एक साल में आरोपी ने अलग-अलग किश्तों में करीब एक लाख रुपए वसूल लिए।

झांसी में मिला लापता व्यापारी

28 लाख की धोखाधड़ी और कर्ज से परेशान होकर छोड़ा था घर

■ शिवपुरी

करैरा थाना क्षेत्र से लापता हुए मूंगफली व्यापारी जीवनलाल पाल को पुलिस ने झांसी से सकुशल बरामद कर लिया है। प्रारंभिक जांच में अपहरण की आशंका जताई गई थी लेकिन बाद में मामला आर्थिक विवाद से जुड़ा पाया गया। करैरा थाना क्षेत्र के श्योपुरा निवासी जीवनलाल पाल अपने पार्टनर मायाराम साहू के साथ गांव में मूंगफली का व्यापार करते थे। शनिवार को उनके अचानक लापता होने के बाद परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जीवनलाल पाल की तलाश शुरू की। सोमवार को उन्हें झांसी रेलवे स्टेशन से बरामद किया गया और थाने लाकर पूछताछ की। पूछताछ में जीवनलाल पाल ने बताया कि उनके पार्टनर ने उनके साथ 28 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। उन्हें किसानों का भुगतान भी करना था और लगभग 10 लाख रुपए का कर्ज भी था। आर्थिक दबाव के कारण वे स्वयं घर छोड़कर चले गए थे। इस दौरान वे दतिया, ओरछा और चित्रकूट होते हुए झांसी पहुंचे थे। थाना प्रभारी विनोद छावई के अनुसार जीवनलाल के लापता होने की सूचना मिलते ही उनके पार्टनर मायाराम साहू भी थाने पहुंच गए थे।

दोनों पक्षों के बीच हिसाब-किताब को लेकर बातचीत हुई है। जानकारी के अनुसार कुछ भुगतान अन्य व्यापारियों पर लंबित है। जिसके मिलने पर विवाद का समाधान संभव हो सकता है।

सम्पादकीय

देर से आए और दुरुस्त नहीं आए

21 मार्च को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शाम साढ़े चार बजे के करीब सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी कि रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी - ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। सरकार चाहे इसे श्नॉर्मलश बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, लघु और अतिलघु उद्योगों (एमएसएमई) को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे, विदेशी निवेशकों का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा, यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। और यह सिर्फ वक्त की बात है - चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति - सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है- सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है। शनिवार को लिखी इस पोस्ट के बाद नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को आकर संसद में मध्यपूर्व में चल रहे युद्ध पर सरकार के नजरिए को सामने रखा। हालांकि युद्ध 28 फरवरी से चल रहा है और इस बीच संसद सत्र भी जारी ही था, तो प्रधानमंत्री के सामने पहले भी मौका था कि वे फौरन संसद से देश को संबोधित करते और बताते कि इस कठिन वक्त में वे देश को कौन सी राह पर आगे बढ़ाने वाले हैं। लेकिन यहां भी उन्हें संभवतरू इंतजार था कि राहुल गांधी कुछ कहें तो वे आगे बढ़ें। हमेशा यही होता है। राहुल गांधी जिन मुद्दों को उठाते हैं, सरकार पहले उनका मजाक उड़ाती है, बाद में उसी पर आगे भी बढ़ती है। जाति जनगणना को स्वीकार करना या किसान आंदोलन में आखिरकार मानना कि कोई कमी रह गई है ये सब उसी के उदाहरण हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने सोमवार को जो कुछ संसद में कहा, उससे देश की मौजूदा समस्याओं के हल को लेकर कोई आस नहीं बंधी, दूसरी तरफ इस युद्ध को लेकर जो स्पष्ट नजरिया उन्हें रखना चाहिए था, उसमें भी वे चूक गए। युद्ध सही नहीं है या संवाद से समाधान निकालें, जैसे उपदेश देने का वक्त अब नहीं रहा। बल्कि नरेन्द्र मोदी के सामने पूरा मौका था कि वे अपनी संसद में, अपने ही लोगों के बीच, सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था के दायरे में अमेरिका और इजरायल को कहते कि ईरान पर युद्ध छेड़कर आपने ठीक नहीं किया। आपको किसी देश की संप्रभुता को चोट पहुंचाने का कोई हक नहीं है। नरेन्द्र मोदी ऐसा करते तो शायद आज विपक्ष भी उनके साथ ही खड़ा होता और इससे पूरी दुनिया में भारत की आवाज फिर से बुलंद होती। लेकिन मोदी ऐसा अनूठा मौका चूक गए। बल्कि वे अयातुल्लाह खामेनेई और मीनाब के प्राथमिक स्कूल में मारी गई बच्चियों की हत्या की निंदा भी न कर सके, न ही उन्हें श्रद्धांजलि दी। ऐसा करने से पिछली कई गलतियां माफ हो सकती थीं। नरेन्द्र मोदी ने ये भी नहीं बताया कि जब वे 26 फरवरी को इजरायल में थे, तो क्या उन्हें भनक नहीं थी कि ईरान पर कोई हमला होने वाला है, या इजरायल क्या सोच रहा है। वहां की संसद में जाकर हमास की आलोचना जब मोदी कर सकते हैं और गजा पर चुप रह सकते हैं, तब भी क्या नेतन्याहू को उन पर इतना भरोसा नहीं हुआ कि वह दो दिन बाद क्या होने वाला है, इस बारे में मोदी को संकेत दे सकें। फिर ट्रंप या नेतन्याहू के साथ घनिष्ठ मित्रता के दावे मोदी कैसे कर सकते हैं। नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद में कहा कि इस युद्ध ने भारत के सामने भी अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इसका मतलब है कि अब तक सरकार सब ठीक होने के जो दावे करती रही है, वो खोखले ही थे। मोदी ने कहा कि भारत की संसद से भी यह संदेश दुनिया में जाना चाहिए कि संकट का जल्द समाधान हो। लेकिन प्रधानमंत्री स्पेन के प्रधानमंत्री की तरह अमेरिका और इजरायल को दो टूक नहीं कह सके कि युद्ध बंद करें। इस युद्ध के जवाबी वार में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी की है, जिससे हर रोज लगभग दो करोड़ बैरल कच्चा तेल और तेल उत्पाद की आवाजाही प्रभावित हुई है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। इसमें भारत समेत तमाम देशों में ऊर्जा का संकट आया है। बाकी देश इस संकट से निपटने के लिए वास्तविक समाधान तलाश रहे होंगे, लेकिन भारत में मोदी पिछले 11 सालों की उपलब्धियां गिना रहे हैं कि पहले 27 देशों से ऊर्जा आयात होती थी, आज 41 देशों से हो रही है। हमारी रिफाइनिंग क्षमता में भी वृद्धि हुई है। हमारे पास 53 लाख मीट्रिक टन क्रूड ऑयल का रिजर्व है। पिछले 10-11 साल में इथेनॉल के उत्पादन और उसकी ब्लेंडिंग पर बहुत काम हुआ है। पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है। इससे भी बचत हो रही है। हमने मेट्रो का नेटवर्क बढ़ाया है। हमने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर बहुत अधिक बल दिया। आज वैकल्पिक ईंधन पर जिस कदर काम हो रहा है, भारत का भविष्य और सुरक्षित होगा। अब सवाल है कि जब इतना सब है तो फिर उनके अपने गृहराज्य के सूरत शहर में कई उद्योग बंद क्यों हुए और प्रवासी मजदूरों को लौटना क्यों पड़ा, ये भी नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए।

महिलाओं को लेकर डॉ कलाम का सपना अधूरा

आर्थिक भागीदारी में भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में केवल 18% है, जो काफी कम है। कामकाजी महिलाओं में से केवल 40-42% ही अपने पति के बराबर या उससे अधिक कमाती हैं। साक्षरता दर में 2010-2021 के बीच 14.4% की वृद्धि हुई है। देश के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन के नाम मशहूर रहे डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि महिलाओं का सशक्तिकरण एक अच्छेपरिवार, अच्छेसमाज और अंततः एक अच्छेराष्ट्र के विकास की ओर ले जाता है। जब महिला सुखी होती है, तो घर सुखी होता है। जब घर सुखी होता है, तो समाज सुखी होता है, और जब समाज सुखी होता है, तो राज्य सुखी होता है, और जब राज्य सुखी होता है, तो देश में शांति होती है और उसका विकास अधिक गति से होता है। देश महिलाओं की मौजूदा हालात को देखते हुए लगता यही है डॉ कलाम का यह सपना पूरा नहीं हुआ है। इस सपने को पूरा करने के लिए अभी शायद दशकों तक इंतजार करना पड़ेगा। भारतीय महिलाओं ने स्वतंत्रता सेनानियों से लेकर संसद में नेतृत्व तक का लंबा सफर तय किया है, फिर भी सच्ची समानता अभी भी दूर है। मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है, जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है और महिला आरक्षण विधेयक एक बड़ी छलांग का वादा करता है। लेकिन लैंगिक भेदभाव, परोक्ष राजनीति और सुरक्षा संबंधी चिंताओं जैसी व्यवस्थागत बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। विश्व स्तर पर भारत में महिलाओं की स्थिति मिश्रित है, जहाँ वे नेतृत्व और सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, वहीं लैंगिक असमानता, सुरक्षा और श्रम भागीदारी में उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा और साक्षरता में प्रगति के बावजूद, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण और आर्थिक असमानता प्रमुख बाधाएं बनी हुई हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है। जो महिलाओं की स्थिति में चिंताजनक गिरावट दशार्ता है। देश में महिलाएं अभी तक लिंगभेद का शिकार हैं। महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और अपराधों के ग्राफ बताते हैं कि उनकी तरक्की ऊंट के मुंह में जीरे से ज्यादा नहीं है। साल 2023 की राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में 2023 में महिलाओं के खिलाफ 13,366 मामले दर्ज हुए, जो मुंबई में 6,025 और बेंगलुरु में 4,870 से कहीं ज्यादा हैं। हालांकि साल 2022 के मुकाबले महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश में 2021 से 2023 के बीच महिलाओं के खिलाफ कुल 13,21,745 अपराध दर्ज हुए। औसतन हर तीन मिनट में एक महिला किसी न किसी अपराध का शिकार हुई। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने राज्यसभा में पेश आंकड़ों के बताया कि ने घरेलू हिंसा, अपहरण, यौन अपराध और बाल शोषण जैसी घटनाओं में लगातार तीन वर्षों में बढ़ोतरी देखी गई। उत्तर प्रदेश इन तीन वर्षों में सबसे आगे रहा, जहां 1,88,207 मामले दर्ज हुए। इसके बाद महाराष्ट्र में 1,31,958, राजस्थान 1,31,246, बंगाल 1,05,313 और मध्य प्रदेश में 95,780 मामलों ने स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है। महिलाओं के खिलाफ प्रमुख अपराधों में शामिल रहे पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के 4,09,929 मामले तो वहीं अपहरण के 2,49,284 मामले सामने आए। गृह राज्य मंत्री बंदी ने बताया था कि अपराधों के ये रुझान सामाजिक और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को उजागर करते हैं। विभिन्न राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों से जुड़े अपराधों की संख्या चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है। आर्थिक भागीदारी में भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों (82%) की तुलना में केवल 18% है, जो काफी कम है। कामकाजी महिलाओं में से केवल 40-42% ही अपने पति के बराबर या उससे अधिक कमाती हैं। साक्षरता दर में 2010-2021 के बीच 14.4% की वृद्धि हुई है। हालाँकि, केवल 10% महिलाएं अपने स्वास्थ्य संबंधी निर्णय खुद ले पाती हैं। संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। 2024 में 800 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। फिर भी, वैश्विक स्तर पर यह भागीदारी अभी भी कम है। लोकनीति-सीएसडीएस के 2019 के 'महिलाएं और राजनीति' सर्वेक्षण के मुताबिक अधिकतर महिलाओं को रैलियों में जाने, उम्मीदवार से मिलने या चुनाव प्रचार करने के लिए परिवार की मंजूरी लेनी पड़ती है। 58 प्रतिशत महिलाओं का मानना था कि राजनीतिक परिवार से आने वाली महिलाओं के लिए राजनीति में प्रवेश आसान होता है। जबकि 57 प्रतिशत का मानना था कि आर्थिक रूप से मजबूत परिवारों की महिलाओं को बढ़त मिलती है। अपने सर्वोच्च स्तर पर भी पहुंचकर भी महिलाओं का लोकसभा में हिस्सा लगभग 14 प्रतिशत ही रहा, जबकि मतदाताओं में उनकी हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत है। 1952 में पहली लोकसभा में सिर्फ.22 महिलाएं चुनी गई थीं। 1977 में तो यह संख्या घटकर 19 ही रह गई। एक बड़ा बदलाव 21वीं सदी में दिखा। साल 2009 में 59 महिलाएं सांसद बनीं, 2014 में यह संख्या बढ़कर 62 हो गई, और 2019 में यह ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 78 तक पहुंच गई। 2024 में यह थोड़ा घटकर 74 रह गई। राजनीतिक दल अक्सर कम टिकट देने को यह कहकर सही ठहराते हैं कि महिलाओं के जीतने की 'संभावनाएं' कमजोर होती हैं। लेकिन सफलता का आंकड़ा इस दावे को सवालों के घेरे में डाल देता है। 1957 में 49 प्रतिशत महिला उम्मीदवार जीतीं, जबकि पुरुषों में जीत का प्रतिशत सिर्फ.33 प्रतिशत था। 1962 में महिलाओं की सफलता दर 47 प्रतिशत थी जबकि पुरुषों की सिर्फ.25 प्रतिशत। हाल के चुनावों में भी महिलाओं की सफलता दर बराबर या थोड़ा बेहतर ही रही। वर्ष 2019 में 11 प्रतिशत जीतीं, जबकि पुरुषों में यह दर 6 प्रतिशत थी। 2024 में महिलाओं की सफलता दर 9 प्रतिशत और पुरुषों की 6 प्रतिशत रही।

> ***जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है और महिला आरक्षण विधेयक एक बड़ी छलांग का वादा करता है। लेकिन लैंगिक भेदभाव, परोक्ष राजनीति और सुरक्षा संबंधी चिंताओं जैसी व्यवस्थागत बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। विश्व स्तर पर भारत में महिलाओं की स्थिति मिश्रित है, जहाँ वे नेतृत्व और सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, वहीं लैंगिक असमानता, सुरक्षा और श्रम भागीदारी में उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा और साक्षरता में प्रगति के बावजूद, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण और आर्थिक असमानता प्रमुख बाधाएं बनी हुई हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है। जो महिलाओं की स्थिति में चिंताजनक गिरावट दशार्ता है। देश में महिलाएं अभी तक लिंगभेद का शिकार हैं। महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और अपराधों के ग्राफ बताते हैं कि उनकी तरक्की ऊंट के मुंह में जीरे से ज्यादा नहीं है। साल 2023 की राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में 2023 में महिलाओं के खिलाफ 13,366 मामले दर्ज हुए, जो मुंबई में 6,025 और बेंगलुरु में 4,870 से कहीं ज्यादा हैं। हालांकि साल 2022 के मुकाबले महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश में 2021 से 2023 के बीच महिलाओं के खिलाफ कुल 13,21,745 अपराध दर्ज हुए। औसतन हर तीन मिनट में एक महिला किसी न किसी अपराध का शिकार हुई। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने राज्यसभा में पेश आंकड़ों के बताया कि ने घरेलू हिंसा, अपहरण, यौन अपराध और बाल शोषण जैसी घटनाओं में लगातार तीन वर्षों में बढ़ोतरी देखी गई। उत्तर प्रदेश इन तीन वर्षों में सबसे आगे रहा, जहां 1,88,207 मामले दर्ज हुए। इसके बाद महाराष्ट्र में 1,31,958, राजस्थान 1,31,246, बंगाल 1,05,313 और मध्य प्रदेश में 95,780 मामलों ने स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है। महिलाओं के खिलाफ प्रमुख अपराधों में शामिल रहे पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के 4,09,929 मामले तो वहीं अपहरण के 2,49,284 मामले सामने आए। गृह राज्य मंत्री बंदी ने बताया था कि अपराधों के ये रुझान सामाजिक और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को उजागर करते हैं। विभिन्न राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों से जुड़े अपराधों की संख्या चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है। आर्थिक भागीदारी में भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों (82%) की तुलना में केवल 18% है, जो काफी कम है। कामकाजी महिलाओं में से केवल 40-42% ही अपने पति के बराबर या उससे अधिक कमाती हैं। साक्षरता दर में 2010-2021 के बीच 14.4% की वृद्धि हुई है। हालाँकि, केवल 10% महिलाएं अपने स्वास्थ्य संबंधी निर्णय खुद ले पाती हैं। संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। 2024 में 800 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। फिर भी, वैश्विक स्तर पर यह भागीदारी अभी भी कम है।***

बच्चे के जन्म पर पिता को भी अवकाश मिले

क्षमा शर्मा

हाल ही में उच्चतम न्यायालय मातृत्व अवकाश से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। मामला गोद लेने के मामले में अवकाश का था। भारत में मातृत्व अवकाश 6 महीने का है। दुनिया में यह सबसे अधिक अवधि है। याचिका में 1961 के मैटनटी एक्ट की धारा 5(4) को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि गोद लेने की प्रक्रिया तक में 3 महीने से अधिक का समय लग जाता है। ऐसे में बच्चे की उम्र 3 महीने से अधिक बढ़ सकती है। ऐसे में यदि कामकाजी मां को छुट्टी ही नहीं मिलेगी, तो वह अपने शिशु की देखभाल कैसे करेगी? ऐसी तमाम बातों का संज्ञान लेते हुए अदालत ने 2024 में सरकार से जवाब मांगा था। इसके अनुसार, यदि कोई महिला बच्चा गोद लेती है, तो उसे 12 सप्ताह की छुट्टी तभी मिलेगी, जब बच्चा 3 महीने से कम उम्र का हो। जबकि मातृत्व अवकाश के तहत महिला को प्रसव से 6 हफ्ते पहले और 6 हफ्ते बाद तक की छुट्टी का प्रावधान है। ऐसे में गोद लेने वाली मां को ऐसी सुविधा से वंचित क्यों किया जाए, क्योंकि बच्चे की देखभाल उसे ही करनी होगी। यदि मां अकेली है तो कठिनाई और भी है। गोद लेने वाली मां की छुट्टियों पर बात करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि सरकार को पितृत्व अवकाश के लिए भी कानून बनाना चाहिए। बात भी सही है। यदि बच्चे को पालने की जिम्मेदारी माता-पिता दोनों की है, तो मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टी मिलनी ही चाहिए। ऐसा क्यों मान लिया गया है कि बच्चे की देखभाल में पिता की कोई भूमिका ही नहीं होती, इसलिए उसे छुट्टी की कोई जरूरत नहीं। अदालत ने इस मसले पर सुनवाई करते हुए यह भी कहा कि बच्चे को पालने में मां की भूमिका महत्वपूर्ण होती है लेकिन पिता की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। अब वह जमाना भी नहीं रहा जब परिवार बड़े होते थे। बच्चे के जन्म या उसे गोद लेने के बाद उसे पालने की जिम्मेदारी सिर्फ माता-पिता की ही नहीं होती थी। घर के अन्य सदस्य, जैसे दादा-दादी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, उनके बाल-बच्चे, यहां तक कि अड़ोसी-पड़ोसी भी, सभी शिशु को पालने में मदद करते थे। महानगरों में ऐसी मुश्किलें बहुत दिखाई देती हैं, जहां युवा दम्पति प्रायः अकेले रहते हैं। इसका एक कारण तो यह है कि वे अपने-अपने शहर, गांव से दूर यहां रोटी कमाने आए हैं। इसके अलावा बहुत से परिवार किसी न किसी कारणवश अपने परिवार से अलग रहते हैं। अब भी देश में इतनी संख्या में डे केयर सैंटर नहीं हैं, जिनके भरोसे बच्चों को पाला जा सके। इसके अलावा यह भी है कि बहुत से डे केयर सैंटर बहुत छोटे बच्चों को अपने यहां नहीं रखते। तब बच्चे की 24 घंटे देखभाल की जिम्मेदारी माता-पिता पर ही आ जाती है। यदि माता-पिता नौकरी करते हैं तो छुट्टी लेना भी टेढ़ी खीर होती है। फिर गोद लेने के बाद तमाम तरह की मुश्किलें खड़ी होती हैं। बच्चे को नए वातावरण में पालना, उसे सुरक्षा देना, उसकी सही देखभाल करना आदि बहुत-सी बातें ऐसी हैं, जिन्हें माता-पिता को मिलकर उठाना पड़ता है। जिस दफ्तर में लम्बे समय तक काम किया, उसमें दो-तीन लड़कियां ऐसी थीं, जो सिंगल थीं लेकिन उन्होंने बच्चों को गोद लिया हुआ था। वे अक्सर अपनी मुश्किलों के बारे में बताया करतीं। कई बार इस बात पर परेशान भी होतीं कि कहीं बच्चा गोद लेकर कोई गलती तो नहीं की, क्योंकि दफ्तर की मारामारी को झेलने के बाद बच्चे की देखभाल करना, वह भी सिर्फ अपने बल पर, एक कठिन काम था। इनमें से सभी ने लड़कियां गोद ली थीं। लड़कियों के मामले में अपने समाज में एक बड़ा सच तो यह है ही कि वे ज्यादा असुरक्षित हैं। ऐसे में ये स्त्रियां छुट्टी होने के बाद, बिना रुके घर की तरफ भागती थीं। यदि कोई जरूरी मीटिंग हो गई तो इनकी चिंता का कोई ठिकाना नहीं रहता था, क्योंकि किसी को डे केयर सैंटर के बंद होने का डर रहता, तो किसी को घरेलू सहायिका के चले जाने का। आपको याद होगा कि एक जमाने में अविवाहित लड़कियां बच्चा गोद नहीं ले सकती थीं, बाद में अदालत के हस्तक्षेप के बाद ही इस कानून में सुधार किया गया। एक परिवार ऐसा भी था, जहां पति-पत्नी दोनों एक ही जगह काम करते थे। बच्चा गोद लिया, तो छुट्टी के कारण, पत्नी तो घर में थी, लेकिन पिता को दफ्तर आना पड़ता। क्योंकि एक डिपार्टमैंट होने के कारण, दोनों को एक साथ छुट्टी नहीं मिल सकती थी। यदि पितृत्व अवकाश होता, तो कानूनी तौर पर ऐसा नहीं किया जा सकता था, छुट्टी देनी ही पड़ती। दोनों ही बच्चे की देखभाल कर सकते थे। काम बांट सकते थे। लंच के समय नया पिता बना यह युवक अक्सर बाजार की तरफ भागता दिखता, ताकि बच्चे के लिए बताई गई जरूरी चीजें खरीद सके। फिर बच्चे को गोद लेने के बाद यदि वह बीमार पड़ जाए, अस्पताल ले जाना पड़े और पिता घर में न हो, तो और अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

मोबाइल के जाल में फंसते छात्र-छात्राएं
इस्तेमाल पर रोक लगाना जरूरी

विजय कुमार

हालांकि मोबाइल फोन के अनेक लाभ हैं परंतु इसके जाल में फंसने वाले छात्र-छात्राओं द्वारा इसके अनुचित इस्तेमाल से कई तरह की समस्याएं पैदा होने के कारण दुनिया

भर में स्कूली बच्चों के मोबाइल फोन इस्तेमाल को लेकर चिंता बढ़ रही है। अश्लीलता का प्रसार करने और लोगों, विशेषकर बच्चों के हाथ में मोबाइल आने से उनमें पोर्न देखने तथा अन्य अपराध करने की प्रवृत्ति में भारी वृद्धि हो रही है। यहां तक कि सोशल मीडिया पर पोर्न देख कर बच्चों द्वारा बलात्कार किए जाने तक की घटनाएं हो चुकी हैं। इसी कारण अनेक देशों ने बच्चों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है जिनमें से चंद देश निम्न में दर्ज हैं ब्रिटेन के शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के व्यवहार और पढ़ाई पर एकाग्रता को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों में मोबाइल फोनों के इस्तेमाल पर पूर्ण रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश के उल्लंघन पर न सिर्फ छात्र का मोबाइल फोन जब्त कर लेने का निर्देश दिया गया है, बल्कि इस आदेश का पालन यकीनी बनाने के लिए अध्यापकों को बच्चों के बैग सख्तीपूर्वक जांचने का अधिकार भी दिया गया है। स्पेन सरकार ने भी अब बच्चों को 14 की बजाय 16 वर्ष की उम्र तक पहुंचने के बाद ही सोशल मीडिया इस्तेमाल करने की इजाजत देने का फैसला किया है। इसके अलावा स्पेन सरकार ने कुछ ऑनलाइन गेम्स पर भी सख्त कानून की योजना बनाई है। नार्वेजियन मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 10 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते अधिकांश बच्चे सोशल मीडिया इस्तेमाल करने लगते हैं। इसी कारण सरकार ङ्क्षचतित है कि इतनी कम उम्र में बच्चे वर्चुअल दुनिया के गुलाम बनते जा रहे हैं, जिसे तुरंत रोकने की आवश्यकता है। बच्चों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और बुरे प्रभाव से बचाने के लिए जर्मनी में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के लिए अपने माता-पिता की सहमति लेनी होती है। इटली में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के लिए 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अपने माता-पिता की अनुमति लेना आवश्यक है। चीन में सोशल मीडिया और इंटरनैट पर सबसे सख्त नियंत्रण है। वहां की सरकार बच्चों को अनुशासित और देशभक्त नागरिक बनाने के लिए उनका डिजीटल जीवन भी नियंत्रित करती है।चीन में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सप्ताह में मात्र 3 घंटे ऑनलाइन गेम्स खेलने की इजाजत है। साथ ही सोशल मीडिया और उस पर डाली जाने वाली सामग्री (कंटैंट) की कड़ी निगरानी की जाती है। आस्ट्रेलिया, फ्रांस तथा कुछ अन्य देशों में कई सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स या तो प्रतिबंधित हैं या उन पर कड़ी निगरानी रखी जाती है। म्यांमार और उत्तर कोरिया में इंटरनैट और सोशल मीडिया पर लगभग पूर्ण प्रतिबंध है। ऐसे हालात में यूनेस्को के वैश्विक शिक्षा निगरानी दल (जी.ई.एम.) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि क्लास में ध्यान कम होना, ऑनलाइन उत्पीडन और डिजीटल माध्यमों का बच्चों पर बढ़ता असर देखते हुए दुनिया के आधे से अधिक देशों के स्कूलों में मोबाइल फोनों के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। जून, 2023 में केवल 24 प्रतिशत देशों में ही यह प्रतिबंध लागू था, जो 2025 में बढ़कर 40 प्रतिशत और मार्च, 2026 तक बढ़ कर 58 प्रतिशत हो गया है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि सोशल मीडिया का बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। भारत में भी कर्नाटक तथा हिमाचल प्रदेश आदि चंद राज्यों ने स्कूलों में छात्रों द्वारा मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है, परंतु इतना ही काफी नहीं है, समूचे देश में ही किशोर-किशोरियों द्वारा मोबाइल फोनों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की तुरंत आवश्यकता है ताकि छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया के इस्तेमाल के बुरे प्रभावों से बचाया जा सके।

युद्ध सभ्य मानव समाज पर एक बदनुमा धब्बा

प्रो. दरबारी लाल

विश्व की सर्वोच्च एवं श्रेष्ठ संसद संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य राष्ट्रों के आपसी तनाव व विवादों का समाधान करना, युद्धों को रोकना, मानव विकास का पथ प्रदर्शक बनना तथा शांति स्थापित करना है। परंतु इसके प्रयासों के बावजूद कई राष्ट्राध्यक्ष वार्तालाप और कूटनीति की बजाय युद्धों से अपने स्वार्थ हल करने में लगे हुए हैं। युद्धों की सोच हैरतअंगेज, अफसोसनाक, चिंताजनक और मानव समाज को घोर अंधेरे की तरफ बढ़ा रही है। शक्तिशाली देश रूस और यूक्रेन पिछले 4 वर्षों से युद्ध की आग में धधक रहे हैं। अढ़ाई वर्षों से इसराईल और हमास में घमासान है तथा अब अमरीका एवं इसराईल ने ईरान पर आक्रमण करके मध्य एशिया में एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है, जिसके परिणामस्वरूप ईरान के धर्मगुरु के अलावा मासूम और निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। यही हाल इसराईल में भी हो रहा है। ईरान ने सऊदी अरब, यू.ए.ई., कुवैत, कतर, बहरीन, ओमान पर आक्रमण करके युद्ध का एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इससे विश्व में खाद्य पदार्थों, तेल, गैस और अन्य चीजों की भारी किल्लत से महंगाई बढने लगी है। इससे कई छोटे देशों में अराजकता फैलने का खतरा पैदा हो रहा है। यद्यपि यू.एन. एक मजबूत संगठन है, परंतु यह केवल प्रस्ताव पारित करने वाली संस्था बनकर रह गया है। जबकि इसे प्रभावशाली भूमिका निभा कर युद्ध बंद करवाने चाहिएं। ईरान और इसराईल भी कभी मित्र देश थे। ईरान तेल देता था और इसराईल हथियार। परंतु 1979 में इस्लामिक क्रांति से रजा पहलवी के प्रगतिशील और उदारवादी समाज के स्थान पर रूढ़ीवादी और अनुदारवादी समाज की स्थापना कर दी गई तथा इसराईल का नामोनिशान मिटाने के नारे लगने लगे। ईरान ने लेबनान में हिजबुल्ला, गाजा में हमास और यमन में हूथी आतंकवादी संगठनों की खुलकर हथियारों और धन से मदद करनी शुरू कर दी, जो इसराईल के अस्तित्व के लिए खतरा बन रहे थे। दूसरा, ईरान एटमी शक्ति बनने की तैयारी कर रहा था, जिससे इसराईल ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब और आसपास के छोटे देशों के लिए भी एक नया खतरा पैदा हो रहा था। तीसरा, सऊदी अरब को यह डर था कि शक्तिशाली ईरान कहीं इस्लाम के धार्मिक पवित्र स्थान मक्का और मदीना पर ही कब्जा न कर ले। चौथा, राष्ट्रपति ट्रम्प वेनेजुएला की तरह ईरान के तेल पर भी कब्जा करना चाहते हैं। यह लड़ाई सऊदी अरब और ईरान की है। सुन्नी बहुल और शिया मुस्लिम के वर्चस्व की है। इसराईल अपने अस्तित्व को सुरक्षित रखना और अमरीका अपनी शक्ति का फायदा उठाना चाहता है। ट्रम्प ने ईरान पर हमले से पहले उसकी शक्ति को कमतर आंका था। ट्रम्प ने नाटो देशों और चीन से जंगी जहाजों की मदद मांगी है ताकि होर्मुज से तेल, गैस और अन्य वस्तुओं से भरे जहाजों को निकाला जा सके। परंतु सबने सहयोग देने से साफ इंकार कर दिया है। ट्रम्प ईरान को घुटनों पर लाना चाहता है, परंतु उसके विरोधी उसे ही घुटनों पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। युद्ध के दौरान भारत ने ईरान के साथ-साथ खाड़ी देशों के साथ भी वार्तालाप जारी रखा और ईरान को भारी मात्रा में युद्ध में हुए जख्मी लोगों के लिए जहाज भरकर दवाइयां भेजीं, जबकि 56 मुस्लिम देशों में से किसी ने भी किसी तरह की कोई सहायता नहीं की। मुश्किल की घड़ी में भारत ने तुर्की और अन्य देशों की भी मदद की है। युद्ध किसी मसले का हल नहीं है। ये तबाही और बबार्दी के कारण बनते हैं। प्रथम विश्व युद्ध में (1914-1918) अढ़ाई करोड़ और दूसरे विश्व युद्ध में (1939-1945) 5 करोड़ तथा इनसे पहले बर्बर चंगेज खां और तैमूर लंग ने 7 करोड़ से अधिक लोगों को कत्ल करवा दिया था। हकीकत में युद्ध सभ्य मानव समाज पर एक बदनुमा धब्बा है। इससे सदा के लिए छुटकारा पाने के लिए विश्व में एक नई सोच विकसित की जानी चाहिए। इस संबंध में एक शेह्वर नजर करता हूं-आदमी खुद को कभी यूं भी सजा देता है, अपने दामन से खुद शोलों को हवा देता है मुझे उस सियासतदान की सियासत पर तरस आता है, शांति की बजाय जो युद्ध को तरजीह देता है।

हंसी और सकारात्मकता के संग नवयुग कन्या महाविद्यालय में खुशी दिवस उत्सव

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के मनोविज्ञान विभाग अभिव्यक्ति द्वारा अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस (20 मार्च) के उपलक्ष्य में हास्य के माध्यम से खुशीरू सकारात्मक मनोविज्ञान का दृष्टिकोण विषय पर एक संगोष्ठी एवं स्टैंड-अप कॉमेडी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती ममता अंबुजनानी, सहायक प्राध्यापिका, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ का स्वागत एवं सम्मान प्रो. शर्मिता नंदी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग एवं मनोविज्ञान विभाग की डॉ. सोनल अग्रवाल द्वारा पौध एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर किया गया। अपने विचारोत्तेजक संबोधन में श्रीमती अंबुजनानी ने कहा कि सकारात्मक मनोविज्ञान के अनुसार हास्य के माध्यम से खुशी को बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि यह तनाव को कम करता है और भावनात्मक कल्याण को सुदृढ़ करता है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ हास्य व्यक्ति को चुनौतियों को नए दृष्टिकोण से देखने, धैर्य एवं लचीलापन विकसित करने तथा पारस्परिक संबंधों को सुदृढ़ करने में सहायक होता है।

सुबह मुंह सूखने या बदबू आने के ये हैं कारण, समय पर ठीक कर लो इस परेशानी को

सुबह की सांस की बदबू को अक्सर सामान्य मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन, मुंह का सूखापन और उसके साथ आने वाली तेज अप्रिय गंध सिर्फ रात की नींद से जुड़ी बात नहीं होती। ये आपके शरीर की हाइड्रेशन, नींद और मेटाबॉलिज्म से जुड़ा अहम संकेत हो सकता है। आइए जानते हैं ऐसा क्यों होता है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है।

सुबह मुंह सूखने या बदबू आने के कारण

शरीर में पानी की कमीः अगर आप दिनभर पर्याप्त पानी नहीं पीते, तो रात में शरीर और ज्यादा डिहाइड्रेट हो जाता है। इससे मुंह में लार कम बनती है और मुंह सूख जाता है। इसके संकेत होंठ सूखना, सिर दर्द, पेशाब का गहरा रंग है।

मुंह खोलकर सोनाः अगर आप नाक की बजाय मुंह से सांस लेते हैं (जैसे नाक बंद होने पर), तो हवा सीधे मुंह को सुखा देती है।

ऐसे में सुबह गला सूखा जाता है, खरार्टे आते हैं और गले में खराश होने लगती है।

बैक्टीरिया का बढ़नाः रात में लार कम बनने से मुंह के बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं, जिससे बदबू आती है। इससे सुबह उठते ही बदबू आने लगती है, जीभ पर सफेद परत हो जाती है।

मेटाबॉलिज्म और ब्लड शुगर का असरः अगर आपका मेटाबॉलिज्म ठीक नहीं है या ब्लड शुगर बढ़ा हुआ है (जैसे प्रीडायबिटीजध्डायबिटीज), तो मुंह सूखने की समस्या बढ़ सकती है। इस बार रात को बार-बार प्यास लगती है, थकान रहती है और बार-बार पेशाब आता है।

खराब नींद या स्लीप डिसऑर्डरः कम या खराब क्वालिटी की नींद (जैसे स्लीप एपनिया) भी मुंह सूखने का कारण बन सकती है। इससे रात भर नींद पूरी करने के बाद भी दिन में थकावट बनी रहती है।

ये समस्या कब गंभीर हो सकती है?

अगर रोज सुबह मुंह बहुत ज्यादा सूखा रहता है या बदबू लगातार बनी रहती है, तो ये संकेत हो सकते हैं डायबिटीज, गम (मसूड़ों) की बीमारी और पाचन समस्या के। अगर ये समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो डॉक्टर से जांच कराएं खासकर ब्लड शुगर और ओरल हेल्थ की। ध्यान रखें सुबह का सूखा मुंह सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि शरीर का अलार्म हो सकता है जो आपको पानी, नींद और सेहत सुधारने का संकेत दे रहा है।

इस तरह ठीक करें अपनी समस्या

दिनभर पर्याप्त पानी पिएंः कम से कम 7,8 गिलास पानी जरूर पिएं, खासकर सोने से पहले 1 गिलास पानी लें।

सोने से पहले ओरल केयरः रात में ब्रश जरूर करें, जीभ साफ करें, माउथवॉश का इस्तेमाल करें।

नाक से सांस लेने की आदत डालेंः अगर नाक बंद रहती है, तो भाप लें या डॉक्टर से सलाह लें।

डाइट सुधारेंः ज्यादा मीठा और जंक फूड कम करें, फल और हरी सब्जियां खाएं। कैफीन और अल्कोहल कम लें

अच्छी नींद लेंः 7,8 घंटे की नींद जरूरी। सोने से पहले मोबाइल कम इस्तेमाल करें।

हर व्यक्ति को रोज खाना चाहिए ये 'देसी सुपरफूड्स', संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए होता है फायदेमंद

अक्सर कुछ लोग भरपूर खानपान के बावजूद अस्वस्थ रहते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं जिनमें से एक कारण खानपान में सही चीजों का चयन न कर पाना है। आइए इस लेख में कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में जानते हैं जिसे हर स्वस्थ व्यक्ति को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारे शरीर को स्वस्थ बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। अव्यवस्थित जीवनशैली और

जानकारी के अभाव में, जहां एक ओर लोगों में पोषण की कमी है, वहीं दूसरी ओर बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। यही वजह है कि बहुत से लोग किसी न किसी तरह की बीमारी से परेशान हैं। अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि अच्छी सेहत के लिए महंगी विदेशी चीजें नहीं, बल्कि हमारे आसपास मौजूद सस्ते और साधारण प्राकृतिक खाद्य पदार्थ ही पर्याप्त हैं। यह लेख ऐसे ही कुछ 'देसी सुपरफूड्स' पर केंद्रित है, जिनका सेवन सभी स्वस्थ लोगों को रोजाना करना चाहिए। हम जिन चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, वे बाजार में आसानी से और किफायती कीमत पर उपलब्ध हैं। इन पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाता है और शरीर में होने वाली सूजन को कम करता है। इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर आप शरीर और मन को अंदर से मजबूत और स्वस्थ बना सकते हैं।

आंवला- विटामिन उ का पावरहाउस

आंवला भारतीय सुपरफूड्स में सबसे ऊपर है। यह विटामिन उ और एंटीऑक्सीडेंट का खजाना है। रोजाना एक आंवला खाने से आपकी इम्युनिटी तेजी से बढ़ती है, पाचन क्रिया सुधरती है और यह त्वचा तथा बालों के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत फायदेमंद है। अगर आप आंवला नहीं खा पा रहे हैं तो आप नींबू का सेवन भी कर सकते हैं, इसके लिए आप रोज सुबह नींबू पानी पी सकते हैं।

दालें (खासकर मूंग दाल)

मूंग दाल और अन्य दालें प्रोटीन और फाइबर का बेहतरीन स्रोत हैं। मूंग दाल आसानी से पच जाती है और वजन घटाने में मदद करती है। दालों का नियमित सेवन मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है।

हल्दी और अदरक

हल्दी में करक्यूमिन और अदरक में जिंजरोल होता है। ये दोनों ही शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी यौगिक हैं। रोजाना इनका सेवन शरीर में होने वाली सूजन को कम करता है, जोड़ों के दर्द से राहत दिलाता है, और दिल की सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है। मेवे और बीज (बादाम, अलसी) बादाम, अखरोट और अलसी के बीज हेल्दी फैट, फाइबर और ओमेगा-3 से भरपूर होते हैं। ये मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाते हैं, कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं।

टिफिन में इस खास तरीके से पैक करें खाना, घंटेभर रहेगा गरम और स्वादिष्ट

गर्म और स्वादिष्ट खाना हर किसी को पसंद है, लेकिन आजकल की तेज-तर्रार जिंदगी में इसे बनाए रखना मुश्किल हो गया है। ऑफिस या कॉलेज जाने वाले लोग अक्सर दिनभर व्यस्त रहते हैं और जब आखिरकार टिफिन खोलते हैं, तो खाना ठंडा हो चुका होता है। ठंडा खाना न सिर्फ स्वाद में फीका लगता है, बल्कि खाने का मजा भी बहुत कम कर देता है। ऐसे में जानना जरूरी है कि कैसे हम अपने टिफिन के खाने को लंबे समय तक गरम और ताजा रख सकते हैं।

स्मार्ट पैकिंग के तरीके

टिफिन पूरा भरेंः खाने के साथ बहुत कम हवा रहे, ताकि गर्मी बाहर न जाए।

गर्म और ठंडी चीजें अलग रखेंः चावल, सब्जी आदि को एक साथ रखें, और दही, सलाद या चटनी अलग डिब्बे में पैक करें।

रोटियों को लपेटेंः रोटियों को मुलायम कपड़े या पन्नी में लपेटकर रखें, ताकि वे न तो ठंडी हों और न गीली।

इंसुलेशन बढ़ाने के देसी नुस्खे

टिफिन को मोटे सूती कपड़े में लपेटें।

थर्मल लंच बैग का इस्तेमाल करें।

पुराने स्वेटर या शॉल का उपयोग भी खाने की गर्मी बनाए रखने में मदद करता है।

पुराने देसी तरीके भी आजमाएं

कैसरोल में रखनाः खाना सीधे कैसरोल में पैक करें, यह घंटों तक गर्म रहता है।

गर्म पानी की बोतलः लंच बैग के पास छोटी गर्म पानी की बोतल रखें, इससे भी खाने की गर्मी बनी रहती है।

टिफिन पैक करते समय इन गलतियों से बचें

गर्म और ठंडी चीजें एक साथ न रखें।

बार-बार टिफिन खोलने से बचें।

नवरात्रि व्रत में राजगिरा खाकर घटाएं वजन, थकान- कमजोरी भी होगी दूर

नवरात्रि का पर्व जहां धार्मिक आस्था का प्रतीक है, वहीं यह सेहत के लिहाज से भी बेहद खास माना जाता है। इन दिनों में बड़ी संख्या में लोग उपवास रखते हैं, जिससे शरीर को डिटॉक्स होने का मौका मिलता है। खास बात यह है कि व्रत के दौरान सही खानपान अपनाकर वजन कम करना भी आसान हो जाता है। डॉक्टर के अनुसार, अगर व्रत के दौरान डाइट पर सही ध्यान दिया जाए, तो शरीर की अतिरिक्त चर्बी तेजी से कम की जा सकती है। ऐसे में एक खास देसी फूड राजगिरा (चौलाई) वजन घटाने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

वेट लॉस के लिए फायदेमंद है राजगिरा

व्रत के दौरान आमतौर पर लोग सीमित चीजों का सेवन करते हैं। ऐसे में राजगिरा एक हेल्दी और पौष्टिक विकल्प बनकर सामने आता है। इसे अमरंथ या चौलाई भी कहा जाता है। यह न सिर्फ हल्का और पचने में आसान है, बल्कि शरीर को जरूरी पोषण भी देता है।

क्यों है राजगिरा खास?

विशेषज्ञों का कहना है कि राजगिरा में कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो वजन कम करने में मदद करते हैं।

कम कैलोरीः यह वजन घटाने के लिए उपयुक्त है

प्रोटीन से भरपूरः लंबे समय तक पेट भरा रखता है

फाइबर का अच्छा स्रोतः पाचन को बेहतर बनाता है

मेटाबॉलिज्म बढ़ाता हैः शरीर की चर्बी तेजी से घटाने में मदद करता है

एनर्जी बनाए रखता हैः व्रत के दौरान थकान और कमजोरी को दूर करता है।

व्रत में ऐसे करें सेवन

नवरात्रि के दौरान राजगिरा को कई तरीकों से डाइट में शामिल किया जा सकता है

राजगिरा के लड्डू

आटे की रोटी या पराठा

चीला या खीर।

डाइट एक्सपर्ट्स का मानना है कि व्रत के दौरान तला-भुना और ज्यादा मीठा खाने से बचना चाहिए। इसके बजाय हल्का, संतुलित और पौष्टिक आहार लेना जरूरी है, ताकि शरीर को ऊर्जा भी मिले और वजन भी नियंत्रित रहे। नवरात्रि का व्रत न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह शरीर को स्वस्थ बनाने का भी एक अच्छा अवसर है। अगर आप इस दौरान राजगिरा को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो आप आसानी से वजन घटाने के साथ-साथ खुद को एनर्जेटिक भी रख सकते हैं।

घर पर बनाएं रेस्टोरेंट जैसा मशरूम, बस अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

अगर आपको मशरूम बनाना पसंद है तो इसे बनाते समय कुछ बातें ध्यान रखें। ताकि इसका स्वाद दोगुना हो जाए। मशरूम न केवल हेल्दी होते हैं बल्कि इनमें प्रोटीन, विटामिन डी और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। इनका सही तरीके से क्लीन करना, काटना और पकाना स्वाद को बेहतर बनाता है। अगर आपको मशरूम बनाना पसंद है तो इसे बनाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सही तरीका अपनाने पर मशरूम का स्वाद और खुशबू दोगुना हो जाती है। तो चाहे आप इसे सूप, करी, स्टिर-फ्राई या सैंडविच में इस्तेमाल कर रहे हों, इन छोटी-छोटी ट्रिक्स से मशरूम हमेशा टेस्टी बनता है। तो अगर आप भी मशरूम काफी ज्यादा बनाती हैं तो ये लेख आपके काम का है। यहां हम आपको कुछ टिप्स देने जा रहे हैं।

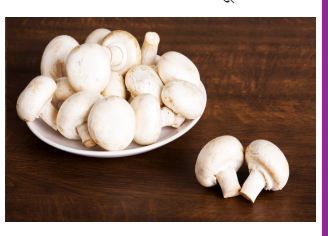

अच्छे से साफ करें

मशरूम को ज्यादा पानी में नहीं धोना चाहिए क्योंकि ये पानी सोख लेते हैं और पकाने पर उनका टेक्सचर खराब हो जाता है। इसके बजाय, हल्की ब्रश या गीली कपड़े से धीरे-धीरे धूल और मिट्टी साफ करें। ये न सिर्फ मशरूम को स्वच्छ रखता है बल्कि उनके प्राकृतिक स्वाद को भी बरकरार रखता है।

कटिंग का तरीका सही हो

मशरूम को बड़े टुकड़ों में काटना सबसे अच्छा होता है। छोटे टुकड़े पकाने पर जल्दी सिकुड़ जाते हैं और उनका रसीला स्वाद कम हो जाता है। बड़े टुकड़े पकने के बाद भी नर्म और जूसी रहते हैं, जिससे डिश का टेक्सचर बेहतर बनता है।

उबाल सकते हैं

सूप या करी में मशरूम डालने से पहले हल्का उबाल लें। ये स्टेप मशरूम के स्वाद को बेहतर बनाता है और उन्हें पकाने के लिए तैयार करता है। इसकी वजह से मशरूम की नमी और पोषक तत्व भी बने रहते हैं।

आंच को रखें सही

मशरूम को तेज आंच पर पकाने से ये जल्दी सिकुड़ जाते हैं और उनका स्वाद बिगड़ हो जाता है। मध्यम आंच पर पकाने से मशरूम धीरे-धीरे पकते हैं और उनका प्राकृतिक जूस बरकरार रहता है।

कब लगाएं तड़का

नमक और मसाले हमेशा अंत में डालें। अगर मसाले पहले डाल दिए जाएं तो मशरूम से पानी निकल जाता है और उनका फ्लेवर कमजोर हो जाता है। अंत में मसाले डालने से उनका स्वाद मजबूत और संतुलित रहता है।

साधारण सा दिखने वाला करी पत्ता, 15 खतरनाक बीमारियों को करता है जड़ से खत्म

भारत में हर घर की रसोई में मसाले, सब्जियां, ड्राई फ्रूट और फल न केवल खाने का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। आज हम आपको करी पत्ता यानी मीठी नीम के स्वास्थ्य और सौंदर्य लाभों के बारे में जानेंगे। करी पत्ता न केवल खाने में स्वाद बढ़ाता है, बल्कि इसके पत्तों में कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं।

करी पत्ते के औषधीय गुण

करी पत्ते में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसमें एसेंशियल ऑयल्स जैसे मुरया सायनिन और कैरियोफायलिन मौजूद हैं, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इसके साथ ही इसमें विटामिन बी1, बी3, बी9 और सी और आवश्यक खनिज जैसे आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस भी पाए जाते हैं। यही कारण है कि करी पत्ता न केवल बालों और त्वचा, बल्कि नेत्र और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी माना जाता है।

मीठी नीम (करी पत्ता) के स्वास्थ्य लाभ

रक्तचाप नियंत्रित रखने मेंः करी पत्ता रक्तचाप को नियंत्रित करने में भी मददगार है। उच्च रक्तचाप वाले लोग रोजाना सुबह 7-8 पत्ते

चबाकर सेवन करें, जिससे रक्तचाप संतुलित रहता है और हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम कम होता है।

प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंटः करी पत्ता एक प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है। शाम के समय इसके पत्ते चबाने से शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति का संचार होता है, जिससे थकान दूर होती है और शरीर तरोताजा महसूस करता है।

पेचिश और दस्त मेंः करी पत्ता पेचिश और दस्त जैसी समस्याओं में भी लाभकारी है। कुछ पत्तियों को हल्के पानी में उबालकर पीने से पेट की परेशानियाँ दूर होती हैं और दस्त में राहत मिलती है।

पेट की समस्या मेंः करी पत्ता पेट के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसके हरे पत्तों का ताजा अर्क तैयार कर पीने से पेट की समस्या में राहत मिलती है और पाचन तंत्र संतुलित रहता है।

नेत्र रोगों मेंः करी पत्ता नेत्र रोगों में भी फायदेमंद है। सूखी पत्तियों का चूर्ण 2 ग्राम की मात्रा में पानी के साथ लेने से रतौंधी और अन्य दृष्टि संबंधित समस्याओं में लाभ मिलता है और आँखों की रोशनी बढ़ती है।

मदार्ना ताकत बढ़ाने के लिएः करी पत्ता मदार्ना ताकत बढ़ाने में भी प्रभावी है। इसकी छाल या जड़ का चूर्ण 1 ग्राम की मात्रा में दूध और मिश्री के साथ लेने से यौन शक्ति में वृद्धि होती है और शरीर भी मजबूत एवं पुष्ट बनता है।

एक्जिमा और घावों मेंः करी पत्ता के बीज का तेल एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक है और यह एक्जिमा और घावों में लाभकारी माना जाता है। इसे प्रभावित स्थान पर लगाने से संक्रमण कम होता है, घाव जल्दी ठीक होते हैं और त्वचा स्वस्थ रहती है।

बालों के लिए फायदे

घने और काले बाल

करी पत्ता घने और काले बालों के लिए बेहद फायदेमंद है। पत्तियों को सूखा कर पाउडर बना लें और 4-5 चम्मच पाउडर को 200उस नारियल या जैतून के तेल में उबालें। ठंडा होने के बाद इस तेल को रोज रात को बालों में लगाएं। गुनगुना तेल लगाने से परिणाम जल्दी दिखाई देने लगते हैं और बाल मजबूत, घने एवं काले बनते हैं।

सफेद बाल काले करें

करी पत्ता सफेद बालों को काला करने में भी मदद करता है। पत्तों का पेस्ट बनाकर उसमें थोड़ा दही मिलाएं और 20-25 मिनट तक बालों में लगाकर छोड़ दें। फिर बालों को धो लें। नियमित इस्तेमाल करने से बाल धीरे-धीरे काले, घने और स्वस्थ दिखने लगते हैं।

बालों की जड़ मजबूत करें

करी पत्ता बालों की जड़ों को मजबूत करने में भी असरदार है। इसे चबाकर या पत्तों का पेस्ट बनाकर बालों और स्कैल्प पर लगाने से बाल मजबूत, घने और स्वस्थ बनते हैं।

रूसी और झड़ते बाल

करी पत्ता रूसी और झड़ते बालों में भी लाभकारी है। पत्तों और दूध का लेप स्कैल्प पर लगाकर 20 मिनट बाद धो दें। इसे कुछ हफ्तों तक नियमित रूप से करने से रूसी कम होती है और बालों की वृद्धि बढ़ती है।

त्वचा और चेहरे के लिए फायदे

चेहरे की चमकः करी पत्तों का फेस पैक चेहरे की रौनक और रंगत बढ़ाता है।

पिंपल्स और एक्नेः हरी पत्तियों को पीसकर नींबू का रस मिलाएं। 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं, फिर धो लें।

चेहरे का सौंदर्यः सूखी पत्तियों का पाउडर बनाकर गुलाबजल, मुलतानी मिट्टी और तेल मिलाकर 20 मिनट चेहरे पर लगाएं। ठंडे पानी से चेहरा धोने से त्वचा साफ और मुलायम होगी।

करी पत्ता का उपयोग

चाय के रूप मेंः पत्तों को पानी में उबालें, नींबू और थोड़ी चीनी मिलाएं। रोजाना सेवन से बाल लंबे और घने होंगे।

तेल के रूप मेंः सूखे पत्तों को नारियल तेल में उबालें, तेल को छानकर रात को लगाएं।

पेस्ट या चूर्ण के रूप मेंः बालों और त्वचा पर लगाएं। करी पत्ता सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने वाला मसाला नहीं है। यह बालों, त्वचा, नेत्र, यौन शक्ति और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए वरदान है। इसका नियमित उपयोग करने से कई बीमारियों से बचाव और उपचार संभव है। इसे अपने रोजमर्रा के जीवन में शामिल करें और स्वास्थ्य लाभ उठाएं।

मल्टीलेवल पार्किंग पहुंची महापौर,अव्यवस्थाओं पर लगाई फटकार

लखनऊ (संवाददाता)। महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ हजरतगंज स्थित मल्टीलेवल पार्किंग और केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सामने बनी मल्टीलेवल पार्किंग का मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। महापौर के अचानक पहुंचने से हजरतगंज पार्किंग परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई। निरीक्षण के दौरान सबसे पहले लिफ्ट बंद पाई गई, जिससे आम लोगों को काफी असुविधा हो रही थी। इसके अलावा पार्किंग के बेसमेंट में अवैध रूप से कार बाजार और गैराज संचालित होता मिला। पार्किंग के सभी फ्लोर पर गंदगी का अंबार देखने को मिला, जिस पर महापौर और नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव एवं जोनल सेनेटरी ऑफिसर कुलदीपक को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही वहां बने टॉयलेट भी बंद पाए गए, जिन्हें तुरंत खुलवाकर जनता के लिए उपयोगी बनाने के निर्देश दिए गए। मेयर ने कहा कि नागरिक सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

काव्या की टीम से जुड़ा 300+ टी20 विकेट ले चुका ये गेंदबाज; तीन करोड़ के एडवड्र्स का बना रिप्लेसमेंट

हैदराबाद। आईपीएल 2026 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद को चोटों का झटका लगा है, जिसके चलते डेविड पेन को जैक ऑलराउंडर जैक एडवड्र्स चोटिल होकर टूनार्मेंट से बाहर हो गया, जिसके चलते फ्रेंचाइजी को मजबूरन बदलाव करना पड़ा। किशन को अस्थायी कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एडवड्र्स भी पैर की चोट के कारण पूरे सीजन

एडवड्र्स के रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया गया। पेन के पास 300+ टी20 विकेट का अनुभव है, जो टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। आईपीएल 2026 की शुरूआत से पहले सनराइजर्स हैदराबाद को बड़ा झटका लगा। टीम का एक प्रमुख इसी कड़ी में इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज डेविड पेन को टीम में शामिल किया गया है। चोटों से परेशान सनराइजर्स सनराइजर्स टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस फिटनेस हासिल नहीं कर सके हैं शुरूआती मैचों से बाहर हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ईशान से बाहर हो गए हैं। एडवड्र्स को आईपीएल 2026 के लिए मिनी ऑक्शन में तीन करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे टीम को काफी उम्मीदें थीं। डेविड पेन की एंट्री बीसीसीआई ने आधिकारिक बयान में पुष्टि की, 'कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के लिए क्रमशः सौरभ दुबे और डेविड पेन को रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना है।' बयान में आगे कहा गया, 'पेन, जैक एडवड्र्स की जगह लेंगे। उन्होंने इंग्लैंड के लिए एक वनडे खेलने के अलावा दुनिया भर की टी20 लीग को मिलाकर 233 टी20 मैच खेले हैं।' पेन को 1.5 करोड़ रुपये में टीम से जोड़ा गया है, जबकि वह मिनी ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। डोरसेट के रहने वाले पेन, ग्लूस्टरशायर के एक अनुभवी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं और उन्होंने बिग बैश लीग और आईएलटी20 में दुनिया भर में एडिलेड स्ट्राइकर्स, पर्थ स्कॉर्चर्स, डेजर्ट वाइपर्स और द हंड्रेड में वेल्श फायर जैसी टीमों के लिए खेला है। पेन का शानदार रिकॉर्ड पेन का टी20 करियर काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 233 मैचों में 304 विकेट झटके हैं, जिसमें उनका औसत 21.16 है और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/24 रहा है। हाल ही में आईएलटी20 2025-26 में उन्होंने नौ मैचों में 17 विकेट लिए, जबकि बिग बैश लीग (इइछ) 2025-26 में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए खेलते हुए छह मैचों में 11 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी 300 से ज्यादा विकेट लिए हैं, जो उनके अनुभव को दशार्ता है। केकेआर में भी बदलाव दूसरी ओर कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी चोटिल खिलाड़ी के रिप्लेसमेंट का ऐलान किया है। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज आकाश दीप पीठ की चोट (लंबर स्ट्रेस इंजरी) के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया गया है, जिन्हें 30 लाख रुपये में साइन किया गया है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। चोटों से जूझ रही एसआरएच के लिए यह सीजन चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन नए खिलाड़ियों के आने से टीम संतुलन बनाने की कोशिश करेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए डेविड पेन का शामिल होना एक बड़ा कदम है, खासकर तब जब टीम चोटों से जूझ रही है। उनका अनुभव टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती दे सकता है। वहीं केकेआर ने भी अपने स्क्वाड में बदलाव कर संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है।

हरमनप्रीत ने टी20 रैंकिंग में किया सुधार, मंधाना दूसरे स्थान पर कायम; शेफाली शीर्ष-10 में

दुबई । भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को टी20 रैंकिंग में फायदा हुआ है और वह बल्लेबाजों में 14वें स्थान पर आ गई हैं। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टी20 रैंकिंग में सुधार किया है और वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं,

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। मंधाना के अलावा आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा शीर्ष 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपना छठा स्थान बरकरार रखा है, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त 11वें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजों में दीप्ति तीसरे स्थान पर गेंदबाजी विभाग में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर छठे स्थान पर बनी हुई हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर खिसक गई हैं। दीप्ति ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतकों ने उन्हें सूची में दो स्थान ऊपर18वें स्थान पर पहुंचने में मदद की। रवांडा की 15 वर्षीय फैनी उटागुशिमानिंदे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने पदार्पण मैच में (घाना के खिलाफ) शतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बनी। यही नहीं वह पुरुष और महिला क्रिकेट में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनी। इससे उन्होंने 66वें स्थान पर रैंकिंग में प्रवेश किया है।

डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, 35 पैसे टूटकर 93 .88 तक गिरा

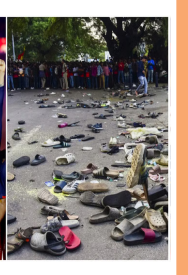

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता देखने को मिल रही है। मजबूत डॉलर, महंगे कच्चे तेल और विदेशी निवेश की निकासी के दबाव में रुपया 35 पैसे गिरकर 93.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। आइए विस्तार से जानते हैं। भारतीय रुपये में मंगलवार कमजोरी देखने को मिली और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे गिरकर 93.88 (प्रावधिक) पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी, जिसका असर रुपये पर पड़ा। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 93.66 के स्तर पर खुला, लेकिन पूरे सत्र के दौरान इसमें उतार-चढ़ाव बना रहा। कारोबार के अंत में यह 93.88 (प्रावधिक) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 35 पैसे की गिरावट दशार्ता है। पश्चिम एशिया तनाव से बढ़ी अनिश्चितता फॉरेक्स कारोबारियों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते अनिश्चितता बढ़ी है, जिसके कारण विदेशी निवेशकों की निकासी तेज हुई है। विदेशी फंड के बाहर जाने और महंगे कच्चे तेल ने मिलकर रुपये पर दबाव बनाया है। सोमवार को रुपया पहली बार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर को पार कर गया, लेकिन अंत में 93.53 पर स्थिर बंद हुआ। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा कि लगातार विदेशी निवेश निधि (एफपीआई) की निकासी से रुपये पर दबाव बना हुआ है। मजबूत अमेरिकी डॉलर उभरते बाजारों की मुद्राओं को कमजोर बनाए हुए है, और इस महीने रुपये में लगभग 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। बुधवार को रुपये का दायरा 93.65 से 94.25 के बीच रहने की उम्मीद है। ट्रंप ने दिए नरमी के संकेत ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अमेरिका एक सम्मानित ईरानी नेता से बातचीत कर रहा है और दावा किया कि इस्लामिक

गणराज्य युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते के लिए उत्सुक है। उन्होंने ईरान को महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से खोलने या अपने बिजली संयंत्रों पर हमलों का सामना करने के लिए दी गई समय सीमा को भी बढ़ा दिया, और कहा कि उसके पास अतिरिक्त पांच दिन हैं। हालांकि, ईरान द्वारा ट्रंप के दावों का खंडन और क्षेत्र में जारी शत्रुता ने अनिश्चितता पैदा कर दी, जिससे वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं। डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापता है, 0.23 प्रतिशत बढ़कर 99.18 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.45 प्रतिशत गिरकर 101.4 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार की बात करें तो सेंसेक्स में 1,372.06 अंकों या 1.89 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज करते हुए यह 74,068.45 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी में 209.65 अंकों या 0.93 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए यह 22,722.30 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध आधार पर 10,414.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

कतर के एलएनजी टर्मिनल पर हमले के बाद बढ़ सकती हैं मुश्किलें, जानें वैश्विक गैस सप्लाई खतरे में कैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर के रास लाफान LNG टर्मिनल पर हमले से वैश्विक गैस सप्लाई को बड़ा झटका लगा है। भारी नुकसान के चलते सप्लाई बाधित हो सकती है और मरम्मत में तीन से पांच साल लगने का अनुमान है, जिससे खासकर एशिया में गैस की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं। पिछले हफ्ते 19 मार्च को कतर के रास लाफान स्थित दुनिया के सबसे बड़े लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) टर्मिनल पर ईरानी मिसाइलों और ड्रोन से हमला हुआ। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल मच गई है। यह टर्मिनल दुनिया की कुल एलएनजी सप्लाई का लगभग पांचवां हिस्सा संभालता है। हमले के बाद परिसर में स्थित गैस-

टू-लिक्विड्स (ऋळछ) प्लांट में भीषण आग लग गई। करीब 295 वर्ग किलोमीटर में फैले इस विशाल कॉम्प्लेक्स को भारी नुकसान पहुंचा है। शुरूआती आकलन के मुताबिक, करोड़ों-करोड़ डॉलर के निवेश को नुकसान हुआ है। मरम्मत में लग सकता है पांच साल तक का समय कतर एनर्जी के सीईओ साद शेरिदा अल-काबी ने संकेत दिए हैं कि कंपनी को फोर्स मेज्योर घोषित करना पड़ सकता है, यानी हालात के चलते लंबे समय के सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट पूरे नहीं किए जा सकेंगे। इसका असर इटली, बेल्जियम, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों को पांच साल तक झेलना पड़ सकता है। कंपनी के अनुसार, हमलों में प्रमुख उत्पादन सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे सालाना लगभग 20 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। मरम्मत कार्य में तीन से पांच साल तक का समय लग सकता है। एलएनजी सप्लाई पर बड़ा असर रास लाफान टर्मिनल कतर की एलएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर का करीब 17% हिस्सा संभालता है। इसके क्षतिग्रस्त होने से वैश्विक गैस बाजार में सप्लाई संकट गहराने की आशंका है। कतर की लगभग 75% एलएनजी सप्लाई एशियाई देशों खासतौर पर चीन, भारत, दक्षिण कोरिया, ताइवान और पाकिस्तान को जाती है। मरम्मत में लगेगा लंबा समय विशेषज्ञों के मुताबिक एनएनजी प्लांट की मरम्मत बेहद जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया है। प्लांट को पहले धीरे-धीरे गर्म और फिर ठंडा करना पड़ता है, क्योंकि अचानक तापमान बदलाव से पाइपलाइन और उपकरण टूट सकते हैं। भारी-भरकम मशीनें जैसे 50 मीटर लंबे हीट एक्सचेंजर और हजारों टन वजनी कंप्रेसर को बदलना भी आसान नहीं होता। गैस बाजार में संरचनात्मक संकट इस घटना ने एलएनजी संकट को सिर्फ लॉजिस्टिक समस्या से आगे बढ़ाकर संरचनात्मक संकट में बदल दिया है। पहले जहां होर्मुज जलडमरूमध्य की बाधा चिंता का कारण थी, अब उत्पादन क्षमता पर सीधा असर पड़ा है। यूरोप में गैस के बेंचमार्क दाम डच टाइटल ट्रांसफर फैसिलिटी (ळळऋ) मिड जनवरी के बाद से दोगुने से ज्यादा हो चुके हैं। वहीं, कोयले की मांग भी बढ़ी है, हालांकि उसकी कीमतों में अपेक्षाकृत कम तेजी आई है। भारत समेत एशिया पर सबसे ज्यादा असर ऊंची कीमतों का असर सबसे ज्यादा एशियाई देशों पर पड़ने की संभावना है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश, जो ईंधन की कीमतों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं, महंगे गैस के विकल्प के तौर पर कोयले की ओर रुख कर सकते हैं। वैश्विक असर तय एलएनजी एक वैश्विक बाजार का हिस्सा है, इसलिए किसी एक क्षेत्र में सप्लाई घटने का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि कतर के इस प्रमुख टर्मिनल को हुए नुकसान की भरपाई में कई साल लग सकते हैं, जिससे गैस की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं।

चेयरमैन के इस्तीफे के बाद बाहरी जांच शुरू, गवर्नेंस पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन के अचानक इस्तीफे में उठाए गए नैतिकता से जुड़े मुद्दों की जांच के लिए बाहरी लॉ फर्म्स नियुक्त की हैं। बैंक ने इसे निष्पक्ष और तथ्य आधारित समीक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया है। आइए विस्तार से जानते हैं। देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी में शीर्ष स्तर पर हुए घटनाक्रम ने कॉरपोरेट गवर्नेंस को लेकर नई बहस छेड़ दी है। बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी लॉ फर्म्स की नियुक्ति की है। बैंक के प्रवक्ता के अनुसार, यह कदम पूरी तरह से

प्रोएक्टिव है, जिसका उद्देश्य इस्तीफे में बताए गए पहलुओं की स्वतंत्र, निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित समीक्षा करना है। प्रवक्ता ने कहा कि बैंक दशकों से अपनाए गए उच्चतम गवर्नेंस मानकों के अनुरूप खुद को लगातार परखता रहा है और यह पहल उसी दिशा में उठाया गया कदम है। अचानक इस्तीफे से उठे सवाल गौरतलब है कि अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च से प्रभावी अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफे में बैंक के भीतर कुछ घटनाओं और प्रथाओं का हवाला दिया, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। 17 मार्च को लिखे अपने पत्र में उन्होंने साफ कहा कि पिछले दो वर्षों में देखी गई कुछ गतिविधियां उनके सिद्धांतों से मेल नहीं खातीं, और यही उनके इस्तीफे का मुख्य कारण है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसके अलावा इस्तीफे के पीछे कोई अन्य महत्वपूर्ण वजह नहीं है। गवर्नेंस कमेटी को लिखा था पत्र चक्रवर्ती ने अपना इस्तीफा बैंक की गवर्नेंस, नॉमिनेशन और रेम्यूनरेशन कमेटी के चेयरमैन एच. के. भनवाला को संबोधित किया था। उनके इस कदम को बैंक के इतिहास में अभूतपूर्व माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार कोई पार्ट-टाइम चेयरमैन कार्यकाल के बीच में पद छोड़कर गया है। चक्रवर्ती का रहा लंबा प्रशासनिक अनुभव 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएस अधिकारी रहे चक्रवर्ती मई 2021 में बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन बने थे। इससे पहले वह वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के सचिव और निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (DIPAM) के सचिव रह चुके थे। उनका कार्यकाल 2024 में बढ़ाकर मई 2027 तक किया गया था।

भगदड़ में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि, आरसीबी का एलान- खाली रखी जाएंगी चिन्नास्वामी की 11 सीटें

बंगलूरू। आरसीबी ने 2025 की भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 फैंस की याद में हर मैच में 11 सीटें खाली रखने का फैसला लिया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। यह कदम खेल के साथ-साथ संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का प्रतीक है। आईपीएल 2026 की शुरूआत से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एक ऐसा फैसला लिया है, जो सिर्फ क्रिकेट नहीं बल्कि भावनाओं से भी जुड़ा हुआ है। पिछले साल बेंगलुरु के चिन्नास्वामी में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 फैंस की याद में टीम ने हर मैच में 11 सीटें हमेशा के लिए खाली रखने

का निर्णय लिया है। ये सीटें कभी किसी के लिए नहीं भरेंगी और ये उन 11 जिंदगियों की खामोश याद बनकर स्टेडियम में मौजूद रहेंगी। मौजूदा आईपीएल चैंपियन आरसीबी की टीम 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ यहां अपना पहला मैच खेलेगी। आरसीबी ने सिर्फ सीटें खाली रखने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा है। टीम ने इन फैंस को याद करने के लिए कई और कदम भी उठाए हैं। खिलाड़ी इस सीजन के सभी अभ्यास सत्रों में जर्सी नंबर 11 पहनेंगे। इसके अलावा स्टेडियम के अंदर एक मेमोरियल प्लाक भी लगाया जाएगा, जहां फैंस और खिलाड़ी श्रद्धांजलि दे सकेंगे। टीम मैनेजमेंट ने क्या कहा? आरसीबी के सीईओ राजेश मेनन ने सुरक्षा और बदलावों को लेकर कहा, 'हम कर्नाटक सरकार और पुलिस प्रशासन का धन्यवाद करते हैं। हमें हाईकोर्ट द्वारा तय एसओपी का पालन करना है और उसी के तहत सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।' उन्होंने आगे बताया, 'अब स्टेडियम में 300 से ज्यादा कैमरों वाला एआई सिस्टम लगाया गया है, जो भीड़ बढ़ने पर तुरंत अलर्ट देगा।' राजेश ने बताया, 'मैच वाले दिन खिलाड़ी अभ्यास के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे। मैच के दौरान वे अपनी जर्सी नंबर में ही नजर आएंगे। अभ्यास के दौरान सभी खिलाड़ियों की पीठ पर जर्सी नंबर 11 लिखा होगा। इसके अलावा उस दिन वे काले रंग के धूप के चश्मे भी पहनेंगे। हम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 स्थायी सीटें बनाने पर भी विचार कर रहे हैं। ये उन 11 प्रशंसकों के लिए हैं जो हमेशा हमारे साथ रहेंगे।' पिछले साल की घटना के बाद स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। इन सभी बदलावों के बाद ही स्टेडियम को दोबारा मैच आयोजित करने की अनुमति मिली है। 300+ कैमरों वाला एआई आधारित सीसीटीवी सिस्टम लगाया गया है। एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स को पूरी तरह से दोबारा डिजाइन किया गया है।

सनराइजर्स हैदराबाद के फैंस के लिए खुशखबरी, कप्तान पैट कमिंस आज बंगलूरू पहुंचेंगे

लाहौर। कमिंस एक बड़े खिलाड़ी और सफल कप्तान हैं। उनके होने से निश्चित रूप से एसआरएच के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। आईपीएल 2026 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस 24 मार्च को बंगलूरू पहुंचने वाले हैं। खिलाड़ियों का बढ़ेगा आत्मविश्वास हालांकि, यह पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि कमिंस फिटनेस

समस्याओं की वजह से सीजन के शुरूआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। इसके बावजूद, उनका टीम से जुड़ना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि वह उम्मीद से पहले वापसी कर सकते हैं। कमिंस एक बड़े खिलाड़ी और सफल कप्तान हैं। उनके होने से निश्चित रूप से एसआरएच के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। ईशान किशन को कप्तानी सौंपी गई कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान किशन को एसआरएच की कप्तानी सौंपी गई है। ईशान 25 मार्च को मुंबई में होने वाली आईपीएल कप्तानों की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में सभी 10 टीमों के कप्तान शामिल होंगे। कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर में फोटो सेशन से होगी, जिसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और ब्रॉडकास्टर्स के साथ महत्वपूर्ण चर्चा होगी। ये खिलाड़ी भी शुरूआती मैचों से बाहर कमिंस के अलावा, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज भी शुरूआती मैचों से बाहर रह सकते हैं। हेजलवुड पूरी तरह फिट नहीं है, जबकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सीजन को देखते हुए स्टार्क के वर्कलोड को मैनेज कर रहा है। ईशान मलिंगा को भी मिला एनओसी एसआरएच के लिए एक अच्छी खबर यह भी है कि ईशान मलिंगा को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने एनओसी दे दी है। मलिंगा के आने से टीम की तेज गेंदबाजी मजबूत होगी। मलिंगा 24 मार्च को टीम से जुड़ेंगे। वह कामिंदु मेंडिस के साथ भारत आएंगे। मेंडिस को पहले ही एनओसी मिल चुकी है।

ऑटोमोबाइल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर, वैष्णव बोले वैगन की डिजाइन बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ऑटोमोबाइल ढुलाई बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए, जैसे यात्री कोचों को ठटॠवैगनों में बदलना। फिर भी रेलवे की हिस्सेदारी करीब 25% ही है, क्योंकि मौजूदा ऑटोमोबाइल कैरियर वैगनों का डिजाइन उद्योग की जरूरतों के मुताबिक नहीं है। रेलवे सुधारों पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऑटोमोबाइल परिवहन को लेकर अहम जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में

कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद रेलवे की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम बनी हुई है। वैष्णव ने बताया कि ऑटोमोबाइल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए यात्री कोचों को एनएमजी (न्यू मॉडिफाइड गुड्स) वैगनों में बदला गया और कई नई पहलें भी शुरू की गईं। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद जब उद्योग से फीडबैक लिया गया तो सामने आया कि रेलवे की हिस्सेदारी अब भी करीब 25 प्रतिशत के आसपास ही है। ऑटोमोबाइल कैरियर वैगनों के डिजाइन से जुड़ी समस्या उन्होंने कहा कि उद्योग जगत ने एक बड़ी समस्या की ओर ध्यान दिलाया है, जो ऑटोमोबाइल कैरियर वैगनों के डिजाइन से जुड़ी है। मंत्री के मुताबिक, मौजूदा डिजाइन उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पूरी तरह उपयुक्त नहीं है, जिससे रेलवे के जरिए वाहन परिवहन में बाधाएं आ रही हैं।

देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर

लखनऊ (संवाददाता)। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने जेवर गौतमबुद्धनगर में पार्टी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आगामी 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन एवं प्रस्तावित विशाल जनसभा की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों, जनसम्पर्क अभियान तथा व्यवस्थाओं के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ह्लविकसित भारतह्व के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। बीते वर्षों में देश ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, औद्योगिक विकास तथा सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उत्तर प्रदेश में भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विकास की नई धारा प्रवाहित हुई है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण है, जो न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे उत्तर भारत के आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के साथ क्षेत्र को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएगी।

जैस्मीन से तलाक के 6 साल बादशाह ने रचाई दूसरी शादी

एक्ट्रेस ईशा रिखी संग लिए सात फेरे

फेमस सिंगर और रैपर बादशाह इस वक्त खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं।सोशल मीडिया पर उनकी दूसरी शादी की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया फोटोज के मुताबिक, सिंगर ने तलाक के 6 साल बाद हाल ही में ईशा रिखी संग दूसरी शादी कर ली है। शादी की ये तस्वीरें ईशा की मां ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसे देख उनके फैंस काफी हैरान रह गए हैं और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। 6 साल पहले बादशाह का पत्नी जैस्मिन मसीह से तलाक हो गया था और अब वो ईशा रिखी संग शादी की रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में बादशाह ब्राउन कुर्ता और गोल्डन साफा पहने दिख रहे हैं। वहीं ईशा लाल जोड़े में दुल्हन बनीं नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में दोनों वरमाला पहने दिखाई दे रहे हैं, जबकि कई तस्वीरों में वे शादी के मंडप पर बैठे रस्में निभाते दिख रहे हैं। बादशाह की शादी बेहद सादगी से हुई, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवारवाले ही शामिल हुए। अचानक सोशल मीडिया पर सामने आई बादशाह की गुपचुप शादी की तस्वीरें देख हर कोई हैरान रह गया है। हालांकि, अभी तक बादशाह और ईशा रिखी ने अपनी शादी और इन तस्वीरों की कोई पुष्टि नहीं की है। बता दें, ईशा रिखी एक मशहूर मॉडल और एक्ट्रेस है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत जट्ट बॉयज पुत जटां दे से की थी, जिसमें उनके साथ सिप्पी गिल नजर आए थे। इसके बाद वह हैप्पी गो लकी, मेरे यार कमीने और व्हाट द जाट जैसी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, बादशाह की बात करें तो उन्होंने पहली शादी साल 2012 में जैस्मीन मसीह से रचाई थी। कपल 8 सालों तक साथ रहा, लेकिन 2020 में दोनों की राहें जुदा हो गई और दोनों ने तलाक ले लिया। पहली शादी से बादशाह की एक बेटी भी है, जो अपनी मां के साथ रहती है।

एक्ट्रेस वैलेरी पेरिन का 82 की उम्र में निधन

लंबे समय से पार्किंसंस रोग से थीं पीड़ित

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है। दिग्गज एक्ट्रेस वैलेरी पेरिन का 82 साल की उम्र में निधन हो गया है। एक्ट्रेस ने अपने बेवर्ली हिल्स स्थित घर पर अंतिम सांस ली। वैलेरी के निधन की पुष्टि उनकी दोस्त स्टेसी साउथर ने फेसबुक

के जरिए की है।... एंटरटेनमेंट डेस्क. मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है। दिग्गज एक्ट्रेस वैलेरी पेरिन का 82 साल की उम्र में निधन हो गया है। एक्ट्रेस ने अपने बेवर्ली हिल्स स्थित घर पर अंतिम सांस ली। वैलेरी के निधन की पुष्टि उनकी दोस्त स्टेसी साउथर ने फेसबुक के जरिए की है। साथ ही उनकी अंतिम इच्छा का भी खुलासा किया। वैलेरी पेरिन की फ्रेंड साउथर ने बताया कि साल 2015 में पार्किंसंस रोग का पता चलने के बाद से पेरिन इलाज के खर्च के चलते आर्थिक तंगी का सामना कर रही थीं। पेरिन ने अपनी बीमारी का सामना पूरे साहस के साथ किया। उन्होंने कभी शिकायत नहीं की। वह एक सच्ची प्रेरणा थीं, जिन्होंने जीवन को पूरी तरह से जिया। उनके बिना यह दुनिया कम खूबसूरत लगती है। साथ ही साउथर ने बताया कि पेरिन की अंतिम इच्छा फॉरेस्ट लॉन कब्रिस्तान में दफन होने की थी। इसके साथ ही उन्होंने एक्ट्रेस की अंतिम इच्छा पूरी करने में फैंस से मदद करने की अपील की। उन्होंने मदद के लिए दान करने और पैसे जुटाने के अभियान को शेयर करने को कहा। काम की बात करें तो पेरिन हॉलीवुड इंडस्ट्री की एक फेमस एक्ट्रेस थीं। उन्होंने फिल्म स्लॉटरहाउस-फाइव से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की। बॉब फॉस की फिल्म श्नेनीश से उन्हें बड़ी पहचान दिलाई। इसके अलावा वह डब्ल्यू.सी. फील्ड्स, मी एंड मिस्टर बिलियन, द इलेक्ट्रिक हॉर्समैन, कांट स्टॉप द म्यूजिक, द बॉर्डर और वॉटर जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। इसके अलावा नॉर्दर्न एक्सपोजर, होमिसाइडरू लाइफ ऑन द स्ट्रीट और ईआर जैसे लोकप्रिय टीवी शोज में भी दिखाई दीं।

चेक बाउंस मामलों में गिरफ्तार हुए अभिनेता-निर्देशक सोबी जॉर्ज, संपत्ति हुई जब्त

अभिनेता-निर्देशक सोबी जॉर्ज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह कई चेक बाउंस मामलों की वजह से इस मुश्किल में फंसे हैं। कलागृहम संगीत मंडली के मंच कलाकार, अभिनेता और निर्देशक सोबी जॉर्ज बहुत बड़ी मुश्किल में फंस हए हैं। केरल पुलिस ने बताया कि आज मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। अभिनेता पर कई चेक बाउंस के मामले चल रहे

हैं। किस आधार पर हुई गिरफतारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि कोर्ट ने सोबी जॉर्ज के खिलाफ चेक बाउंस के दो मामलों में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, उसी के आधार पर उन्हें पकड़ा गया है। अधिकारी ने आगे यह भी बताया कि सोबी जॉर्ज पर 2013 से ही राज्य के अलग-अलग इलाकों में धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मामले चल रहे हैं। पुलिस ने कहा कि जब सोबी ने अपना खुद का कलागृहम म्यूजिक ट्रूप शुरू किया, तो उन्हें आर्थिक परेशानी हो गई। इस दौरान उनके संस्थान की कई संपत्ति, जिसमें एक बस भी शामिल थी, जब्त कर ली गईं। क्या है आरोप सोबी जॉर्ज पहले कलाभवन थिएटर ग्रुप से जुड़े थे। सोबी जॉर्ज पर आरोप है कि उन्होंने कई लोगों को अपने ट्रूप के साथ विदेश ले जाने का लालच देकर उनसे पैसे ठगे। शिकायतों के मुताबिक, कुछ ने कहा कि वह उन्हें विदेश नहीं ले गए, तो कुछ का आरोप है कि वह विदेश में उन्हें अकेला छोड़कर भाग गए। कौन हैं सोबी जॉर्ज? सोबी जॉर्ज, जिन्हें कलाभवन सोबी जॉर्ज के नाम से भी जाना जाता है। सोबी एक मलयालम रंगमंच कलाकार, अभिनेता और कोथमंगलम कलागृहम संगीत मंडली के निर्देशक हैं। आज उन्हें केरल में धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और चेक बाउंस जैसे कई मामलों में गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोप यह है कि उन्होंने लोगों को विदेश में नौकरी का झांसा देकर पैसे ठगे।

पैसे कमाने के लिए उछाले जाते हैं नाम

धुरंधर 2 में अतीक अहमद के कथित किरदार को लेकर भड़के सपा सांसद

धुरंधर 2 सफलता के साथ-साथ विवादों का भी सामना कर रही है। अब सपा सांसद अफजल अंसारी ने फिल्म में अतीक अहमद के कथित किरदार को लेकर नाराजगी जताई है। आदित्य धर की धुरंधर 2 रिलीज के बाद से ही लगातार चचाओं में बनी हुई है। एक ओर फिल्म जहां बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए कीर्तिमान बना रही है। वहीं दूसरी ओर फिल्म को लेकर आलोचनाएं भी हो रही हैं। कुछ लोगों का मानना है कि आतिफ अहमद नाम का किरदार उत्तर प्रदेश के राजनेता और पूर्व गैंगस्टर अतीक अहमद पर आधारित है, जिनकी 2023 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फिल्म में आतिफ को पाकिस्तान की आईएसआई और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ काम करते हुए दिखाया गया है। अब इस विवाद पर समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी ने 'धुरंधर 2' के मेकर्स पर पैसा कमाने के लिए एक वास्तविक व्यक्ति का फायदा उठाने का आरोप लगाया है। सरकार से राहत पाने के लिए किसी का भी नाम उछालते हैं एएनआई से बात करते हुए अफजल अंसारी ने कहा कि मैंने वो फिल्म नहीं देखी है। फिल्म इंडस्ट्री अपनी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ती है। कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित नहीं होती। वे डिस्क्लेमर जारी करते हैं। लेकिन उन्हें सिर्फ इस बात की चिंता रहती है कि उनकी फिल्म कितनी सफल होगी। जब उन्हें फायदा उठाना होता है, फिल्म के टिकट बेचने होते हैं और सरकार से राहत पानी होती है, तो वे किसी का भी नाम उछाल सकते हैं। उन्होंने अतीक अहमद के किरदार को इस तरह पेश किया जैसे उसे आईएसआई एजेंट घोषित कर दिया हो। वह अब इस दुनिया में नहीं है। लेकिन जो लोग अभी जीवित हैं, उन्होंने यहां एक झूठी 'बैकुंठ' रची और दाऊद इब्राहिम के साथ मिलकर अपराध को अंजाम दिया। उन पर कोई फिल्म नहीं बन रही है। इसलिए जनता यह सब समझ सकती है। 'धुरंधर 2' को मेकर्स ने काल्पनिक बताया है। लेकिन फिल्म में कई असल मुद्दों का भी जिक्र किया गया है। यही कारण है कि फिल्म को लेकर आलोचना हो रही है। कई लोग धुरंधर 2 को प्रोपेगेंडा फिल्म भी बता रहे हैं। आलोचनाओं से इतर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर पैसा छाप रही है। पांच दिनों में फिल्म भारत में 500 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर चुकी है। जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन में भी फिल्म लगातार अच्छा कर रही है।

लंबे समय बाद काम पर लौटे बाबिल खान, शूटिंग के लिए तैयार होते आए नजर, कहा- दोबारा गर्व महसूस कराने का समय..

दिवंगत एक्टर इरफान खान के बेटे और एक्टर बाबिल खान ने पिछले साल मई में सोशल मीडिया पर काम से ब्रेक लेने का फैसला सुनाकर सबको हैरान कर दिया था। उन्होंने निर्देशक साई राजेश की फिल्म श्बेबीश के हिंदी रीमेक को छोड़ दिया था। वहीं, अब काफी समय बाद अब बाबिल खान फिर से शूटिंग पर लौट आए हैं। सोशल मीडिया पर यह अपडेट देकर एक्टर ने अब फिर से फैंस को खुश कर दिया है। बाबिल खान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन से एक अपडेट शेयर किया, जिसमें

वह शॉट के लिए तैयार होते नर आ रहे हैं और काम पर वापस आने के लिए उत्साहित दिख रहे हैं। मेकअप आर्टिस्ट उनका मेकअप करता दिख रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए बाबिल ने कैप्शन में लिखा-फिर से काम पर लौट आया हूं, आपको दोबारा गर्व महसूस कराने का समय है। उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गई और फैंस उनके काम पर वापसी को लेकर काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, आपकी दमदार एक्टिंग को सब मिस कर रहे थे। वहीं दूसरे ने कहा, आपको स्क्रीन पर देखने के लिए हमेशा उत्साहित रहते हैं। वहीं, बाबिल खान के एक करीबी सूत्र ने बताया-बाबिल शूटिंग पर वापस आकर काफी खुश हैं। एक्टिंग उनके लिए बहुत खास है और कैमरे के सामने होना उन्हें एक अलग सुकून देता है। यह मैसेज उनके अगले प्रोजेक्ट के सेट से है, जिसकी शूटिंग उन्होंने भोपाल में शुरू की है। बता दें, बाबिल खान ने फिल्म कला (2022) से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी, जिसमें उनके काम को काफी पसंद किया गया था। वहीं, इसके बाद वह वेब सीरीज द रेलवे मेन और फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान (2023) में नजर आए।

अलाया एफ ने होंठ और नाक की सर्जरी की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया, बोलीं- 'मैं छिपाने या झूठ बोलने वाली...'

अलाया एफ ने अपनी सर्जरी को लेकर चल रही अफवाहों पर अपनी राय पेश की है। उन्होंने अपनी बात साबित करने के लिए अपने चेहरे की क्लोज-अप तस्वीर भी दिखाई। अलाया एफ सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस व ब्यूटी टिप्स अक्सर शेयर करती रहती हैं। अलाया ने हाल ही में मुंबई के एक फैशन शो में रैंप वॉक किया था। इस शो के दौरान उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें आईं। जिस पर अब आलिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में मुंबई के एक फैशन वीक में रैंप वॉक करने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अलाया ने अपनी नाक और होंठ की सर्जरी करवा ली है। इस पर अलाया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके जवाब दिया। वीडियो में अलाया ने अपने चेहरे को जूम करके कहा, 'दोस्तों, कमेंट्स में बहुत लोग कह रहे हैं कि मैंने नाक और होंठ की सर्जरी करवाई है। मैं वादा करती हूं, मैंने कुछ भी नहीं करवाया है।' मालिश का है कमाल अलाया ने आगे कहा, 'अगर मैंने सर्जरी करवाई होती तो मैं खुशी-खुशी आपको बता देती। मैं ऐसी नहीं हूं जो बात छुपाऊं या झूठ बोलूं। देखो, नाक वही है, होंठ भी वही हैं। बस रोशनी का फर्क है। अच्छी आदतें, ज्यादा पानी पीना और चेहरे की मालिश से चेहरा अच्छा लग रहा होगा। लेकिन सर्जरी बिल्कुल नहीं हुई है।' अलाया एफ का करियर अलाया ने फिल्म जवानी जानमन से डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने फ्रेडी, ऑलवेज प्यार विद डीजे मोहब्बत और यू-टर्न जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वह फिल्म श्रीकांत और बड़े मियां छोटे मियां में भी नजर आई थीं। वह पूजा बेदी और फरहान फर्नीचरवाला की बेटी हैं।

सड़क सुरक्षा पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में परिवहन विभाग की ओर से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में बड़ी संख्या में युवा हिस्सा ले रहे हैं। अंशिका पटेल ने कहा सड़क पर ट्रैफिक नियमों का पालन करना बहुज जरूरी है। आयुष राजपूत ने कहा-रोड पर एक्सीडेंट नहीं हो, इसके लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना जरूरी है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े नियम, सावधानियां और दुर्घटना से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कार्यशाला में 75 जनपद से चार-चार प्रशिक्षु आए हैं। इसमें हम लोग ने स्काउट गाइड के सभी छात्र-छात्राओं को शामिल किया है। मेरा अटूट विश्वास है कि अगर स्काउट गाइड हमसे जुड़ेंगे तो रोड सेफ्टी के मुद्दे को जन-जन तक पहुंचा सकेंगे। सड़क सुरक्षा के विशेषज्ञ रोहित बालूजा युवाओं को प्रशिक्षित करेंगे। वे ट्रैफिक मैनेजमेंट, ड्राइविंग व्यवहार और सड़क पर जोखिम कम करने के व्यावहारिक तरीकों पर विस्तार से जानकारी देंगे। मुख्य उद्देश्य युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कर उन्हें समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना है। प्रशिक्षित युवा आगे चलकर सड़क सुरक्षा अभियान को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे। परिवहन विभाग का मानना है कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से सड़क हादसों में कमी लाई जा सकती है। इसके जरिए लोगों में ट्रैफिक नियमों के पालन की आदत विकसित होगी और सुरक्षित यातायात को बढ़ावा मिलेगा।

चंद्रमा का 4.4 अरब साल पुराना रहस्य सुलझा

चंद्रयान-4 मिशन में करेगा मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का चंद्रयान-4 मिशन इस दशक के अंत तक चंद्रमा से नमूने वापस लाने के लिए तैयार है। प्रोफेसर सुजय घोष ने कहा कि जब भारत चंद्रमा से चट्टानें वापस लाएगा, तो हमें यह समझना होगा कि वे कहां बनीं और वे चंद्रमा के इतिहास के बारे में क्या बताती हैं। यह शोध मूल्यवान टाइटेनियम युक्त क्षेत्रों की पहचान करने, डेटा का विश्लेषण करने में मदद करेगा। चंद्रमा की आंतरिक संरचना से जुड़े करीब 4.4 अरब पुराने रहस्य का खुलासा हुआ है। यह खोज न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भारत के आगामी चंद्रयान-4 मिशन की सफलता के लिए भी मील का पत्थर साबित हो सकती है। इस खोज को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के शोधकताओं ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। अध्ययन का मुख्य केंद्र इल्मेनाइट-बेयरिंग क्यूमुलेट्स (आईबीसी) नामक दुर्लभ चट्टानें हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, लगभग 4.3 से 4.4 अरब साल पहले जब चंद्रमा पिघली हुई चट्टानों (मैग्मा) के एक विशाल महासागर से ढका था, तब इनका निर्माण हुआ था। जैसे-जैसे यह मैग्मा ठंडा हुआ, घने खनिज चंद्रमा की गहराई में समा गए, जो आज भी चंद्रमा के प्रारंभिक विकास का इतिहास लिए हुए हैं। प्रयोगशाला में बनाया गया मिनी चंद्रमा का कृत्रिम वातावरण चंद्रमा के इन प्राचीन रहस्यों को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला के भीतर चंद्रमा के आंतरिक हिस्से जैसी चरम स्थितियां पैदा कीं। प्रोफेसर सुजय घोष के नेतृत्व में टीम ने नमूनों को 3 गीगापास्कल तक के दबाव और 1,500 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान पर रखा। इस प्रयोग से यह स्पष्ट हुआ कि कैसे ये आईबीसी चट्टानें पिघलती हैं और चंद्रमा के मैंटल के साथ मिलकर वैसा ही मैग्मा बनाती हैं। ऐसा चंद्रमा की सतह पर मौजूद टाइटेनियम युक्त बेसाल्ट चट्टानों में पाया जाता है। चंद्रयान-4 में इसलिए अहम है खोज भारत का चंद्रयान-4 मिशन इस दशक के अंत तक चंद्रमा से नमूने वापस लाने के लिए तैयार है। प्रोफेसर सुजय घोष ने कहा कि जब भारत चंद्रमा से चट्टानें वापस लाएगा, तो हमें यह समझना होगा कि वे कहां बनीं और वे चंद्रमा के इतिहास के बारे में क्या बताती हैं। यह शोध मूल्यवान टाइटेनियम युक्त क्षेत्रों की पहचान करने, डेटा का विश्लेषण करने में मदद करेगा। मैग्मा का जटिल सफर अध्ययन में सामने आया कि अलग-अलग तापमान पर मैग्मा का व्यवहार बदल जाता है। जैसे उच्च तापमान, मध्यम टाइटेनियम युक्त पिघलाव सीधे बेसाल्ट बनाता है। कम तापमान, मैग्मा अधिक जटिल प्रक्रिया से गुजरता है और अन्य मैग्मा के साथ मिलकर उच्च-टाइटेनियम बेसाल्ट बनाता है। शोध से पता चला कि कम दबाव पर मैग्मा सतह पर आकर ज्वालामुखी का हिस्सा बनता है।

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सास में पोर्ट आर्थर स्थित वैलेरो रिफाइनरी में भीषण विस्फोट के बाद धुएं का गुबार छा गया है। प्रशासन ने एहतियातन लोगों को घरों में रहने की सलाह दी है। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है।

राहत बचाव कार्य जारी यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें। क्या बोले स्थानीय निवासी? सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। लोगों से सतर्क रहने की अपील टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि 'टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी' की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखें।

बांग्लादेश में ताकतवर पूर्व सेना अधिकारी गिरफ्तार

2007 में सरकार बदलने में निभाई थी अहम भूमिका

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में साल 2007 में सरकार बदलने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व सेना अधिकारी मसूद उद्दीन चौधरी को पांच मामलों में गिरफ्तार किया गया है। वह उस सेना समर्थित अंतरिम सरकार के प्रमुख चेहरों में थे, जिसने करीब दो साल तक देश पर शासन किया था और भ्रष्टाचार विरोधी अभियान भी चलाए थे। बांग्लादेश के एक प्रभावशाली पूर्व सेना अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। यह अधिकारी 2007 में तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने सेना समर्थित अंतरिम सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी ने क्या भूमिका निभाई थी? पुलिस के मुताबिक, सादे कपड़ों में अधिकारियों ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मसूद उद्दीन चौधरी को सोमवार रात ढाका के बारिधारा स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया। उन्हें 2007 में सरकार बदलने और अंतरिम सरकार स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाने वालों में माना जाता है। यह अंतरिम सरकार 2008 के चुनाव तक करीब दो साल तक सत्ता में रही थी। जांच शाखा के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने बताया कि मसूद उद्दीन चौधरी को उनके खिलाफ दर्ज पांच मामलों के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, उन्होंने इन मामलों के आरोपों के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी।

राजदूत और सांसद भी रहे मसूद उद्दीन चौधरी चौधरी बाद में ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश के राजदूत भी रहे और फिर जातीय पार्टी से सांसद बने। जातीय पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सहयोगी थी, जिसने दिसंबर 2008 के चुनाव में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया था। 2007 में सेना के समर्थन से बनी अंतरिम सरकार को पर्दे के पीछे हुए '1/11' (11 जनवरी 2007 को हुआ राजनीतिक) घटनाक्रम का नतीजा माना जाता है। माना जाता है कि इस सरकार का मकसद दो बड़े नेताओं अवामी लीग की शेख हसीना और बीएनपी की खालिदा जिया को राजनीति से हटाना था। करीब दो साल तक चली इस अंतरिम सरकार के दौरान मौजूदा प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर कई आपराधिक और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। हिरासत में उनके साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार भी हुआ था। उस समय चौधरी गंभीर अपराधों पर राष्ट्रीय समन्वय समिति के समन्वयक थे, जिसके तहत भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाए गए। मां के निधन के बाद सत्ता में लौटे बीएनपी के तारीक रहमान तारीक रहमान बाद में ब्रिटेन चले गए थे, जहां उन्होंने 17 साल बिताए। वह पिछले साल दिसंबर में अपनी मां खालिदा जिया के निधन से पांच दिन पहले देश लौटे। लंबी बीमारी के बाद उनकी मां का निधन हो गया था। इसके बाद बीएनपी ने उन्हें पार्टी की कमान सौंपी और 12 फरवरी के चुनाव में उनके नेतृत्व में पार्टी ने दो-तिहाई सीटें जीतकर सत्ता हासिल की। इससे पहले, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान पिछले साल जुलाई में एक अदालत ने चौधरी की चल संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया था। चौधरी की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब उस दौर के सेना प्रमुख जनरल मोईन अहमद अमेरिका में रह रहे हैं और कुछ अन्य प्रभावशाली सैन्य अधिकारी भी विदेश में हैं।

ग्रीनलैंड विवाद के बाद डेनमार्क में पहला आम चुनाव, देश के लिए रणनीतिक रूप से अहम है ये इलेक्शन

कोपेनहेगन (एजेंसी)। डेनमार्क में ग्रीनलैंड विवाद के बाद पहला आम चुनाव हो रहा है। डेनमार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन तीसरी बार पीएम पद की रेस में बनी हुई हैं। ग्रीनलैंड विवाद के दौरान जिस तरह से उन्होंने डेनमार्क का मजबूती से पक्ष रखा, उससे उनकी लोकप्रियता में उछाल आया है। डेनमार्क में मंगलवार को आम चुनाव के लिए मतदान हुआ, जहां प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही हैं। यह चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी के बाद हो रहे हैं। इस चुनाव में करीब 43 लाख से अधिक मतदाता डेनमार्क की संसद के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर रहे हैं। डेनमार्क में संसद का कार्यकाल चार वर्षों का होता है। डेनमार्क के लिए रणनीतिक रूप से अहम चुनाव प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने पिछले महीने समय से पहले चुनाव कराने का ऐलान किया था। माना जा रहा है कि ग्रीनलैंड संकट के दौरान उनकी मजबूत नेतृत्व वाली छवि का फायदा उठाने के उद्देश्य से उन्होंने तय समय से पहले चुनाव कराने का फैसला किया है। ग्रीनलैंड विवाद के दौरान प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने अमेरिकी दबाव में झुकने से इनकार कर दिया था, जिससे ग्रीनलैंड और डेनमार्क में फ्रेडरिक्सन की लोकप्रियता में उछाल आया है। डेनमार्क, जो यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य है, वहां यह चुनाव राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। फ्रेडरिक्सन को इन नेताओं से मिल सकती है चुनौती डेनमार्क में अक्तूबर में आम चुनाव प्रस्तावित थे।

ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन इराक में अमेरिकी नागरिकों पर कर रहे हमले, यूएस ने जारी की चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट के चलते अमेरिकी नागरिक उग्रवादी संगठनों के निशाने पर हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अपने नागरिकों को इराक में सतर्क रहने और तुरंत इराक छोड़ने की सलाह दी है। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन इराक में अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े ठिकानों पर व्यापक हमले कर रहे हैं। विभाग ने अपने नागरिकों को तत्काल इराक छोड़ने की सलाह दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक बयान में कहा गया, 'इराक में ईरान समर्थित उग्रवादियों ने अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े लक्ष्यों पर व्यापक हमले किए हैं, जिनमें इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र भी शामिल है। अमेरिकी नागरिक तुरंत इराक छोड़ दें। इराक में अमेरिकी मिशन नागरिकों की सहायता के लिए खुला है।' 'दूतावास जाने के दौरान भी हो सकता है हमला' बयान में आगे कहा गया कि मौजूदा सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास या एरबिल स्थित वाणिज्य दूतावास जाने की कोशिश न करें, क्योंकि इराकी हवाई क्षेत्र में मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट हमलों का खतरा बना हुआ है। सभी नियमित कांसुलर सेवाएं, जिसमें वीजा सेवाएं भी शामिल हैं, फिलहाल निलंबित हैं। आपात स्थिति में अमेरिकी नागरिकों को संबंधित ईमेल के जरिए संपर्क करने की सलाह दी गई है। इराक की यात्रा न करने की चेतावनी अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों की इराक की यात्रा न करने की चेतावनी भी दोहराई है और कहा है कि किसी भी कारण से इराक की यात्रा न करें, और यदि वहां मौजूद हैं तो तुरंत देश छोड़ दें।

ट्रैफिक कंट्रोलर बोला- मैंने गलती कर दी; न्यूयॉर्क के एयरपोर्ट पर बड़ी विमान दुर्घटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के हवाई अड्डे पर हुई इस दुर्घटना ने हवाई अड्डों पर जमीनी यातायात और हवाई यातायात के समन्वय पर सवाल उठाए हैं। पूर्व परिवहन विभाग निरीक्षक जनरल मैरी स्कियावो ने कहा कि यह एफएए के लिए एक चेतावनी है, क्योंकि हवाई अड्डों पर ऐसी दुर्घटनाएं पहले भी होती रही हैं। ला गार्डिया एयरपोर्ट उन्नत सतह निगरानी प्रणाली वाले 35 प्रमुख अमेरिकी हवाई अड्डों में से एक है, जो विमानों और वाहनों की आवाजाही पर नजर रखता है। न्यूयॉर्क के ला गार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार देर रात एक बड़ा विमान हादसा हो गया। एयर कनाडा के एक विमान की लैंडिंग के दौरान फायर ट्रक से टक्कर हो गई। इस भीषण टक्कर में विमान के पायलट और सह-पायलट की मौत हो गई। इस दुर्घटना में कई अन्य लोग घायल हुए हैं। हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार रात करीब 11:46 बजे हुआ। 70 से ज्यादा यात्रियों को लेकर एयर कनाडा का विमान मॉन्ट्रियल से ला गार्डिया एयरपोर्ट पर उतर रहा था। इसी दौरान एक फायर ट्रक टैक्सीवे पार कर रहा था। यह फायर ट्रक किसी अन्य विमान में आई गंध की सूचना पर जांच के लिए भेजा गया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने दिया था फायर ट्रक को रुकने का निर्देश एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने फायर ट्रक को रुकने का निर्देश दिया था, लेकिन यह निर्देश स्पष्ट रूप से नहीं पहुंचा या उसका पालन नहीं हुआ। इसके तुरंत बाद विमान और फायर ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। घटना के बाद एयरपोर्ट संचार पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को यह कहते हुए सुना गया कि हम पहले एक आपात स्थिति से निपट रहे थे। मैंने गलती कर दी। यह घटना एयर ट्रैफिक कंट्रोल के समन्वय में गंभीर चूक की ओर इशारा करती है। कई घायलों की हालत गंभीर

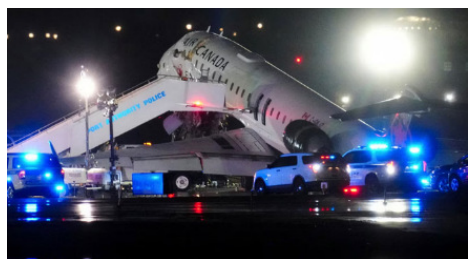

विमान में सवार लगभग 40 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को चोटें आईं, जिनमें से कुछ गंभीर थीं। फायर ट्रक में सवार दो लोग भी घायल हुए। अधिकांश घायलों को सोमवार सुबह तक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। टक्कर के कारण विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे तार और मलबा लटकते दिखाई दिए। घटनास्थल की तस्वीरों में फायर ट्रक एक तरफ पलटा हुआ नजर आया, जिसका पिछला हिस्सा सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त था। इस दुर्घटना के कारण ला गार्डिया एयरपोर्ट को कम से कम सोमवार दोपहर तक बंद कर दिया गया। यह पहले से ही सरकारी शटडाउन के कारण हवाई अड्डों पर चल रही अव्यवस्था के बीच एक बड़ी समस्या बन गया। दोपहर तक ला गार्डिया में 600 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। यात्रियों ने सुनाई आपबीती यात्री रेबेका लिकोरी ने बताया कि उतरते समय विमान में झटके महसूस हुए और फिर एक तेज धमाका हुआ। उन्होंने कहा, सभी अपनी सीटों से उछल गए। लोगों के सिर टकराए, खून बहने लगा लिकोरी ने आपातकालीन निकास द्वार खोलने में मदद की और यात्रियों को एक-दूसरे की मदद करते हुए पंख के सहारे बाहर निकलते देखा। उन्होंने कहा, मैं जिंदा हूं, बस यही बहुत है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक घंटे की उड़ान, जिसे मैंने अनगिनत बार किया है, ऐसे समाप्त होगी।

ट्रंप ने नेतन्याहू की सलाह पर दी हमले को मंजूरी; खामेनेई को मारने के लिए ऐसे मनाया

वॉशिंगटन/येरुशलम (एजेंसी)। क्या ट्रंप ने नेतन्याहू के दबाव में ईरान पर हमला किया? खामेनेई और उनके सहयोगियों को निशाना बनाने के पीछे क्या थी रणनीति? अमेरिकी-इस्राइली ऑपरेशन एपिक फ्यूरी ने अब तक के

सबसे बड़े भू-राजनीतिक तनाव को जन्म दिया है। पश्चिम एशिया की राजनीति फिर से उबल रही है। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सलाह पर ईरान पर संयुक्त सैन्य हमले की मंजूरी दी थी। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह कॉल हमले से मात्र 48 घंटे पहले हुई थी और इसके बाद अमेरिका-इस्राइल ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत खामेनेई और उनके शीर्ष सहयोगियों को निशाना बनाने की योजना को बनाई। नेतन्याहू का दबाव और खुफिया ब्रीफिंग का असर नेतन्याहू ने ट्रंप को बताया कि खामेनेई और उनके प्रमुख सहयोगियों की बैठक तेहरान में होने वाली है, जिससे उन्हें डकैपिटेशन स्ट्राइक यानी देश के शीर्ष नेताओं को मारने का अनूठा मौका मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, नेतन्याहू ने यह भी याद दिलाया कि यह ईरान की उन कोशिशों का जवाब देने का मौका है, जिसमें ट्रंप को 2024 के दौरान हत्या के प्रयास का शिकार बनाया गया था। ट्रंप ने शुरू में इस तरह के युद्ध के खिलाफ प्रचार किया था, लेकिन लगातार खुफिया ब्रीफिंग और नेतन्याहू की तर्कपूर्ण पेशकश ने उन्हें इस ऑपरेशन को हरी झंडी देने के लिए प्रेरित किया। जून में इस्राइल ने पहले भी ईरान के न्यूक्लियर और मिसाइल साइटों पर हमला किया था और अब फरवरी में अमेरिका ने भी इसमें शामिल होकर अपने सैनिकों और रणनीति का इस्तेमाल किया। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी और उसका वैश्विक असर बीते 28 फरवरी को पहला बम गिराया गया और उसी शाम ट्रंप ने खामेनेई की मौत की घोषणा की।

ईरान और अमेरिका के बीच दूरी मिटाने में जुटे ये मुस्लिम देश

इस्लामाबाद में हो सकती है मध्यस्थता बैठक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले पांच दिनों के लिए ईरान पर सैन्य कार्रवाई रोकने का एलान किया है। इसी के साथ उन्होंने दावा किया है कि ईरान के साथ संघर्ष विराम को लेकर बातचीत की जा रही है। हालांकि, ईरान ने ट्रंप के दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान के इस्लामाबाद में मध्यस्थता बैठक हो सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इस बीच रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस सप्ताह इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले रोकने के एलान के बाद कूटनीतिक गतिविधियों में तेजी आई है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत की वजह से हमलों को पांच

दिन के लिए रोका गया है। कौन से मुस्लिम देश कर रहे जंग खत्म करने के कूटनीतिक प्रयास? रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र पर्दे के पीछे रहकर दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ इस्राइली अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद में बैठक आयोजित करने के लिए संपर्क जारी हैं, जिसमें अमेरिका और ईरान के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। एक पाकिस्तानी अधिकारी और एक अन्य सूत्र ने बताया कि युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत इसी सप्ताह इस्लामाबाद में हो सकती है। पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के इस्लामाबाद में ईरानी अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।